मेट्रो Rays
आगे रखने का वादा
सांध्य दैनिक
रांची, बुधवार, 26 अगस्त 2026
संवत 2083, श्रावण शुक्ल 14 मूल्य-3 रुपये
वर्ष-9, अंक 343, पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ सत्येन्द्र जैन के जेल जाने के खतरे
आयुष्मान ने जालना में बच्चों की सुरक्षा और शिक्षा पर दिया जोर ◂◂ 6

रांची में ईद मिलादुन्नबी पर निकला जुलूस-ए-मोहम्मदी, बारिश के बीच उमड़ा आस्था का सैलाब

गुलाम शाहिद

रांची : रिमझिम बारिश के बीच बुधवार को राज्य भर में ईद मिलादुन्नबी अकीदत और उल्लास के साथ मनाया गया ।सुन्नी बरेलवी सेंट्रल कमेटी के बैनर तले रांची के विभिन्न मोहल्लों से जुलूस-ए-मोहम्मदी निकाला गया। जुलूस में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।जुलूस में मदरसों के बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों समेत हजारों लोग शामिल हुए। जुलूस के दौरान सलाम और दुरुद की सदाए गुंजती रही ।जगह-जगह लोगों ने जुलूस का स्वागत कर फल मिठाई, चाय, शर्बत और पानी वितरित किया ।विभिन्न इलाकों से निकले जुलूस दिन के करीब 12 बजे कर्बला चौक पहुंचे, जहां से सामूहिक रूप से जुलूस आगे बढ़ा।

जुलूस कर्बला चौक से विक्रांत चौक, मेन रोड, सुजाता चौक, डोरंडा यूनूस चौक होते हुए कुसई कॉलोनी स्थित रिसालदार बाबा की मजार तक पहुंचा। मजार पर अमन, शांति और मुल्क की खुशहाली की दुआ के साथ जुलूस का समापन किया गया।

ईद-मिलादुन्नबी को लेकर शहर के विभिन्न इलाकों में विशेष उत्साह देखने को

मिला। मस्जिदों, मदरसों और घरों को आकर्षक रोशनी और झंडियों से सजाया गया था। जुलूस के दौरान लोगों में उत्साह रहा और जगह-जगह स्वागत भी किया गया।

सुरक्षा के रहे पुख्ता इंतजाम : पुलिस-प्रशासन की ओर से सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। विभिन्न स्थानों पर पुलिस बल की तैनाती की गई थी। जुलूस के निर्धारित मार्ग पर यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए जरूरी बदलाव भी किए गए, ताकि लोगों को परेशानी न हो और जुलूस शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो सके।

रबी-उल-अव्वल की 12वीं तारीख को मनाया जाता है मिलाद : ईद मिलाद-उन-नबी इस्लामिक कैलेंडर के तीसरे महीने रबी-उल-अव्वल की 12वीं तारीख को मनाया जाता है। मुस्लिम समुदाय इस दिन पैगंबर हजरत मुहम्मद (सल्ल.) के जन्म की याद में मिलाद और अन्य धार्मिक कार्यक्रम आयोजित करता है। देशभर में बुधवार को ईद मिलाद-उन-नबी का जश्न मनाया गया।

सुप्रीम कोर्ट पहुंचा सुरेंद्र बंगाली की रिहाई का मामला, 30 सितंबर को होगी अगली सुनवाई

संवाददाता

रांची: दशकों पहले रांची में कुख्यात रहे सुरेंद्र सिंह रौतेला उर्फ सुरेंद्र बंगाली ने समय से पहले रिहाई (प्री-मेच्योर रिलीज) की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। उसकी याचिका पर बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा की पीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए याचिकाकर्ता के अधिवक्ता को निर्देश दिया कि सुरेंद्र बंगाली के खिलाफ अब तक कितने आपराधिक मामलों का निष्पादन हो चुका है और कितने मामले अभी लंबित हैं, इसकी जानकारी अदालत के समक्ष प्रस्तुत की जाए। इस मामले में अगली सुनवाई 30 सितंबर को होगी।

हाईकोर्ट के आदेश को दी चुनौती : जेल में बंद सुरेंद्र बंगाली ने झारखंड हाईकोर्ट के उस आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है, जिसमें राज्य सरकार को उसकी प्री-मेच्योर रिलीज के आवेदन पर छह महीने के भीतर विचार करने का निर्देश दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट का रुख करने से पहले सुरेंद्र बंगाली अपनी रिहाई की मांग को लेकर तीन बार झारखंड हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटा चुका है। हाईकोर्ट में मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति अनिल कुमार चौधरी की अदालत में हुई थी।

1984 की नीति के आधार पर रिहाई पर विचार का निर्देश : हाईकोर्ट ने सुनवाई के बाद राज्य सरकार को निर्देश दिया था कि वर्ष 1984 में बनी नीति के आधार पर सुरेंद्र बंगाली की सजा की अवधि और अन्य तथ्यों को ध्यान में रखते हुए उसकी समयपूर्व रिहाई पर छह महीने के भीतर विचार किया जाए। हालांकि, राज्य सजा पुनरीक्षण बोर्ड की ओर से उसकी रिहाई के आवेदन पर फैसला नहीं लिया गया और उसकी रिहाई की मांग को स्वीकार नहीं किया गया।

हत्या के मामले में मिली थी फांसी की सजा : मामला लालपुर थाना कांड संख्या 31/1996 से जुड़ा है। रांची सिविल कोर्ट ने हत्या के मामले में सुरेंद्र सिंह बंगाली को दोषी करार देते हुए फांसी की सजा सुनाई थी। बाद में वर्ष 2001 में सुप्रीम कोर्ट ने उसकी फांसी की सजा को आजीवन कारावास में बदल दिया था। इसके बाद से वह जेल में सजा काट रहा है।

करीब 25 वर्षों से अधिक समय जेल में बिताने के बाद सुरेंद्र बंगाली ने अब अपनी समयपूर्व रिहाई के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की है। सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल उसके खिलाफ लंबित और निष्पादित आपराधिक मामलों की पूरी जानकारी मांगी है। अदालत इस जानकारी के आधार पर 30 सितंबर को मामले की आगे सुनवाई करेगी।

एक राष्ट्र, एक चुनाव समय की जरूरत है : शिवराज सिंह चौहान

नई दिल्ली(एजेंसी) : केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम के उस बयान पर प्रतिक्रिया दी, जिसमें उन्होंने कहा था कि एक राष्ट्र, एक चुनाव असंवैधानिक है और कांग्रेस का जमीर इसे लागू करने की इजाजत नहीं देता है। केंद्रीय मंत्री ने बुधवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि आखिर आप किस जमीर की बात कर रहे हैं। एक राष्ट्र एक चुनाव 1952 , 1957, 1962 में हुए। इसके बाद कांग्रेस ने असंवैधानिक तरीके से सरकारों को गिराने की कोशिश की। इसके बाद यह व्यवस्था बिगड़ी। 1983 में विधि आयोग ने कहा था कि एक साथ लोकसभा और विधानसभा का चुनाव एक साथ होना जरूरी है। चुनाव आयोग खुद इस बात को कह रहा है। 1918 में फिर से विधि आयोग ने यह बात कही। आखिर यह सब कुछ असंवैधानिक कहां से हो गया? पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने इस संबंध में देश भर के चिंतकों से चर्चा की। इसके बाद वह रिपोर्ट तैयार हुई , जिसमें एक राष्ट्र एक चुनाव की रिपोर्ट को प्रतिपादित किया गया है। उन्होंने कहा कि पहले लोकसभा और विधानसभा के चुनाव हो। इसके बाद 100 दिन के अंदर बाकी के चुनाव भी संपन्न हो जाने चाहिए। इस तरह की पूरी रूपरेखा निर्धारित करके उसे धरातल पर उतारा जाना चाहिए। लगातार चुनाव होने से ना महज सरकार का खर्चा बढ़ाता है, बल्कि विकास से संबंधित कार्य भी शिथिल होते हैं।

उन्होंने कहा कि हमारे देश में कोई काम हो या ना हो। लेकिन, एक काम जरूर होता है और वह है अगले काम की तैयारी। विकास के काम आचार संहिता लागू होने की वजह से रुक जाते हैं। लोकलुभावन घोषणाएं विकास को बाधित करने का काम करती हैं। प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, सांसद और विधायक अपना सारा समय विकास के कार्य में झोंक देते हैं। सभी प्रशासनिक अधिकारी सारे काम छोड़कर चुनाव के काम में ही लगे रहते हैं। इससे विकास कार्य ठप हो जाता है।

उनके मुताबिक, आज की तारीख में यह समय की जरूरत है कि एक साथ लोकसभा और विधानसभा के चुनाव होने चाहिए। कांग्रेस का जमीर दूसरा विषय है। लेकिन, राष्ट्रहित हमारे लिए जरूरी है। हम उसके साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं कर सकते हैं।

औघड़ बाबा आश्रम के पास युवक का शव बरामद, हत्या की आशंका, जांच में जुटी पुलिस

संवाददाता

रांची: राज्य की राजधानी रांची के कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित औघड़ बाबा आश्रम के पास बुधवार को एक युवक का शव बरामद होने से इलाके में सनसनी फैल गई। शव की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की तहकीकात में जुट गई। मृतक की पहचान अब तक नहीं हो सकी है।

चाकू मार कर हत्या की आशंका : रांची के कोतवाली एएसपी निखिल राय ने बताया कि प्रथम द्दष्टया युवक की हत्या किए जाने की आशंका है। युवक के

शरीर पर खून के निशान मिले हैं। जिस स्थिति में शव बरामद हुआ है, उससे ऐसा प्रतीत हो रहा है कि चाकू से वार कर उसकी हत्या की गई है। हालांकि हत्या के वास्तविक कारण और घटना में इस्तेमाल हथियार के संबंध में पुलिस की जांच जारी है। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने मौके से साक्ष्य जुटाने के लिए एफएसएल की टीम को भी बुलाया है। टीम घटनास्थल से वैज्ञानिक तरीके से साक्ष्य एकत्र कर रही है।

अभी तक मृतक की पहचान नहीं हुई है : इधर, मृतक की पहचान के लिए पुलिस ने उसकी तस्वीर जिले के सभी थानों को भेजी है। पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि हाल के दिनों में किसी युवक के लापता होने की शिकायत तो दर्ज नहीं हुई है। गुमशुदगी के मामलों से शव की तस्वीर का मिलान कर मृतक की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है। शव की पहचान होने पर हत्याकांड के खुलासे में मदद मिलेगी।

झारखंड में तीन दिन बदला रहेगा मौसम, आज कई इलाकों में भारी बारिश और तेज हवा का अलर्ट

संवाददाता

रांची: झारखंड में मानसून एक बार फिर सक्रिय है। राज्य में अगले तीन दिनों तक बादल छाए रहने के साथ कई इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश और मेघ गर्जन की संभावना है। इस दौरान कुछ जिलों में भारी बारिश के साथ 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं भी चल सकती हैं। राज्य में आज से 28 अगस्त के बीच मौसम का असर अलग-अलग इलाकों में देखने को मिलेगा।

आज कैसा रहेगा मौसम? : आज यानी 26 अगस्त को झारखंड के अधिकांश हिस्सों में आसमान में बादल छाए रहने की संभावना है। राज्य के कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। मौसम केंद्र, रांची के मुताबिक दक्षिणी और पश्चिमी हिस्सों के कुछ इलाकों में भारी बारिश का असर देखने को मिल सकता है।

सिमडेगा और पश्चिमी सिंहभूम के कुछ हिस्सों में भारी बारिश की संभावना जताई गई है। इसके अलावा गुमला और खूंटी में भी कहीं-कहीं भारी बारिश हो सकती है। बारिश के दौरान गरज-चमक और तेज हवा को लेकर भी लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है।

27 अगस्त को बदलेगा

बारिश का इलाका : 27 अगस्त को भी झारखंड में बारिश का दौर जारी रहने का अनुमान है। कई इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश के साथ मेघ गर्जन हो सकता है। हालांकि इस दिन भारी बारिश का असर मुख्य रूप से राज्य के मध्य, उत्तर-पश्चिमी और उत्तर-पूर्वी हिस्सों में देखने को मिल सकता है। मौसम केंद्र के पूवार्नुमान के मुताबिक रामगढ़, हजारीबाग, कोडरमा, बोकारो और धनबाद में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। वहीं चतरा और गिरिडीह के कुछ हिस्सों में भी भारी बारिश हो सकती है। इस दौरान गरज-चमक के साथ 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने का अनुमान है।

28 अगस्त को दक्षिणी झारखंड पर ज्यादा असर : 28 अगस्त को भी राज्य के कई हिस्सों में बादल छाए रहेंगे और हल्की से मध्यम बारिश का दौर जारी रह सकता है। इस दिन भारी बारिश का असर मुख्य रूप से दक्षिणी झारखंड में रहने का अनुमान है। सिमडेगा और पश्चिमी सिंहभूम के कुछ इलाकों में भारी बारिश की संभावना है। इसके साथ ही गुमला में भी कहीं-कहीं भारी बारिश हो सकती है। राज्य के अन्य हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश और मेघ गर्जन की स्थिति बन सकती है। पिछले 24 घंटे में वषार्पात की स्थिति पिछले 24 घंटे में सबसे ज्यादा बारिश हजारीबाग में 43.4 मिलीमीटर और पंचेत डीवीसी, धनबाद में 40.8 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड हुई। राज्य के उत्तरी और मध्य हिस्सों में बारिश का असर ज्यादा रहा। इसके अलावा जमशेदपुर, डाल्टनगंज , चाईबासा, बोकारो और रांची में 7 से 2 मिलीमीटर के बीच बारिश हुई।

प्रमुख शहरों में तापमान की स्थिति : तापमान की बात करें तो राज्य में सबसे अधिक अधिकतम तापमान बहरागोड़ा में 35 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान लातेहार में 21.8 डिग्री रहा। रांची का अधिकतम तापमान 28.6 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 1.4 डिग्री कम है। हालांकि यहां न्यूनतम तापमान 23 डिग्री रहा, जो सामान्य से 0.6 डिग्री अधिक है। जमशेदपुर में अधिकतम तापमान 31.6 डिग्री रहा, जो सामान्य से 0.7 डिग्री कम है। यहां न्यूनतम तापमान 26.8 डिग्री रहा, यानी सामान्य से 2 डिग्री अधिक।

डाल्टनगंज में अधिकतम तापमान 30.2 डिग्री रहा, जो सामान्य से 1.9 डिग्री कम है। न्यूनतम तापमान 26 डिग्री रहा और यह सामान्य से 0.6 डिग्री अधिक है। वहीं बोकारो में अधिकतम तापमान 32.1 डिग्री दर्ज हुआ, जो सामान्य से 1.7 डिग्री ज्यादा है। यहां न्यूनतम तापमान 26.2 डिग्री रहा, जो सामान्य से 3.2 डिग्री अधिक है। चाईबासा में अधिकतम तापमान 31.8 डिग्री रहा, जो सामान्य से 0.5 डिग्री अधिक है, जबकि न्यूनतम तापमान 24.6 डिग्री रहा, जो सामान्य से 0.2 डिग्री कम है।

नेपाल में अचानक आई भीषण बाढ़ ने मचाई तबाही

7 लोगों की मौत, 41 से अधिक लापता

काठमांडू (एजेंसी) : नेपाल के रसुवा जिले में अचानक आई भीषण बाढ़ ने भारी तबाही मचाई है। इसकी वजह से अब तक 7 लोगों की मौत की खबर है। वहीं, 41 से अधिक सुरक्षाकर्मी लापता बताए जा रहे हैं। तिब्बत से नेपाल में प्रवेश करने वाली भोटे कोशी नदी का जलस्तर अचानक बढ़ने से तटीय इलाकों के बाजार और कई जलविद्युत परियोजनाएं जलमग्न और क्षतिग्रस्त हो गई हैं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए स्थानीय प्रशासन ने त्रिशूली नदी के निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने और सुरक्षित स्थानों पर जाने की चेतावनी जारी की है।

काठमांडू पोस्ट ने रसुवा के प्रमुख जिला अधिकारी नरेंद्र परियार के हवाले से कहा है कि बाढ़ का कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं है। उन्होंने बताया कि जिला मुख्यालय और आसपास के इलाकों में बिल्कुल बारिश नहीं हुई है और मौसम साफ है। आशंका जताई जा रही है कि ऊपरी क्षेत्र में कोई ग्लेशियर झील के फटने या कोई अस्थायी बांध टूटने के कारण नदी में अचानक बाढ़ आई है। प्रशासन का कहना है कि लोगों से संपर्क स्थापित करने की कोशिश की जा रही है। शुरूआती रिपोट्र्स से भारी नुकसान की बात सामने आ रही है।

हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स को भारी नुकसान : स्थानीय निवासी अजय श्रेष्ठ ने बताया कि पानी का बहाव इतना तेज था कि मानो अचानक कोई बांध टूट गया हो। इस बाढ़ में चिलिमे हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट समेत कई अन्य जलविद्युत परियोजनाओं को नुकसान पहुंचा है। नदी के बहाव को देखते हुए नुवाकोट और धाडिंग जिलों के निचले इलाकों पर भी बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है।

काठमांडू वापस लौटा रेस्क्यू हेलीकॉप्टर : बाढ़ और भूस्खलन के कारण तिमुरे में फंसे लोगों को बचाने के लिए भेजा गया एल्टीट्यूड एयर का एक हेलीकॉप्टर बिना लैंड किए ही वापस काठमांडू लौट आया। पायलट ने बताया कि बाढ़ के तेज बहाव में तिमुरे का स्थानीय हेलीपैड पूरी तरह बह गया है।

भारत ने यूएन नस्लीय भेदभाव उन्मूलन समिति की रिपोर्ट को किया खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी) : भारत ने बुधवार को संयुक्त राष्ट्र की नस्लीय भेदभाव उन्मूलन कमेटी (सीईआरडी) की देश के बारे में की गई टिप्पणियों को सिरे से खारिज कर दिया। भारत ने इसे ₹राजनीति से प्रेरित₹ और ₹बेहद दुर्भावनापूर्ण₹ बताया। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने एक बयान में कहा कि उसने 11-12 अगस्त को जिनेवा में आईसीईआरडी के तहत

भारत की 11वीं आवधिक (सामायिक) समीक्षा के बाद 'नस्लीय भेदभाव उन्मूलन कमेटी' के बयान पर गौर किया। एमईए ने कहा कि यह एक सामान्य संधि-निकाय समीक्षा थी और भारत ने रचनात्मक जुड़ाव की भावना के साथ इसमें हिस्सा लिया। मंत्रालय ने इस बात पर जोर दिया कि नस्लीय भेदभाव से निपटने के लिए भारत की प्रतिबद्धता अटूट है। समीक्षा के दौरान भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने देश की बहुलता, विविधता और विशाल सामाजिक जटिलता को रेखांकित करते हुए मानवाधिकार और समानता सुनिश्चित करने के लिए किए जा रहे प्रयासों को सामने रखा। भारत की ओर से यह भी कहा गया कि देश सभी नागरिकों के लिए समानता, गरिमा और अवसर सुनिश्चित करने की दिशा में लगातार आगे बढ़ रहा है। भारत ने इस रिपोर्ट को खारिज कर दिया ।एमईए ने एक बयान में कहा, ₹हालांकि हम स्थापित प्रक्रिया के माध्यम से समिति की टिप्पणियों का जवाब देंगे, लेकिन भारत के सॉलिसिटर जनरल श्री तुषार मेहता के नेतृत्व वाले अंतर-मंत्रालयी प्रतिनिधिमंडल ने समीक्षा बैठक के दौरान ही व्यापक सामान्यीकरण, निराधार आरोपों या कन्वेंशन के अधिकार क्षेत्र से बाहर जाने की प्रवृत्ति को खारिज कर दिया था। मंत्रालय ने आगे कहा, भारत रिपोर्ट में की गई किसी भी राजनीति से प्रेरित और बेहद दुर्भावनापूर्ण टिप्पणी को पूरी तरह से खारिज करता है और इसकी कड़ी निंदा करता है। एमईए का यह बयान तब आया है जब 'नस्लीय भेदभाव खत्म करने वाली संयुक्त राष्ट्र समिति' ने कानून प्रवर्तन अधिकारियों द्वारा जातीय और जातीय-धार्मिक समूहों, मूल निवासियों और आदिवासी लोगों (जिनमें अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति (विशेषकर दलित और नॉन सिटीजन शामिल हैं) के खिलाफ बड़े पैमाने पर उल्लंघनों की खबरों पर चिंता व्यक्त की।

समाचार सार

धान खेत में जा घुसा चार पहिया वाहन

मुरी: मंगलवार दोपहर एक सफेद कार संख्या जेएच 09 ए जेड 6266 बंता पेट्रोल टंकी के पास सीधे खेत में छलांग मारते हुए जा घुसा। कार में सवार लोग सकुशल रहे। कार में सवार एक युवक ने बताया कि किसी कारण से असंतुलन होने के कारण यह घटना हुई। बाद में कार को ट्रैक्टर के द्वारा खींचकर खेत से बाहर निकाल लिया गया। इस घटना को देखने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी।

जश्न ईद मिलाद उन नबी पर निकली धार्मिक शोभायात्रा

मुरी : नारे तकबीर, अल्ला हू अकबर के नारे के साथ मोहम्द साहब के जन्म दिन पर धार्मिक जुलूस निकाला गया। अलग अलग मस्जिद कमिटी के सदस्यों ने भिखारी चौक पर एक जगह जामा होकर धार्मिक जुलूस में शामिल हुए। धार्मिक झंडे तले सभी बड़ा मुरी, छोटा मुरी जामा मस्जिद पहुंचे। जहाँ सभी अलग होकर अपने घर वापस हुए। मस्जिद कमिटी के सदस्यों ने लंगर का आयोजन भी कर रखे थे। मुरी जामा मस्जिद में लोगों ने आकर समापन किया फारूख भाई ने जन्म दिन पर सभी मुस्लिम भाई को शुभकामनाएं दी समाज ओर देश में अमन ओर शांति के लिए दुआ की।

सिल्ली थाना प्रभारी को ब्रह्माकुमारी मीना बहन ने बांधी राखी

मुरी : पवित्र रक्षाबंधन पर्व के उपलक्ष्य में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के स्थानीय सेवाकेंद्र की प्रभारी ब्रह्माकुमारी मीना बहन ने सिल्ली थाना पहुंचकर थाना प्रभारी एवं उपस्थित पुलिसकर्मियों को रक्षा सूत्र बांधकर ईश्वरीय सौगात भेंट की।

इस अवसर पर बीके मीना बहन ने मस्तक पर आत्म-स्मृति का तिलक लगाकर सभी पुलिसकर्मियों की दीघार्यु, सुरक्षा और कर्तव्यनिष्ठा के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने रक्षाबंधन के आध्यात्मिक रहस्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि रक्षाबंधन वास्तव में पवित्रता और विकारों से रक्षा का पावन संकल्प है। पुलिस बल समाज की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए दिन-रात समर्पित भाव से कार्य करता है। ऐसे में ईश्वरीय शक्तियों और सकारात्मक सोच के साथ अपनी ड्यूटी निभाना आंतरिक शांति और सुरक्षा दोनों प्रदान करता है। थाना प्रभारी ने ब्रह्माकुमारीज संस्थान की इस पहल की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग के व्यस्त और तनावपूर्ण माहौल में ऐसे आध्यात्मिक आयोजन मन में नई ऊर्जा, शांति और सकारात्मकता का संचार करते हैं। कार्यक्रम के दौरान अन्य पुलिस अधिकारी, कर्मचारी एवं स्थानीय ब्रह्माकुमार भाई-बहन उपस्थित रहे।

अजीम प्रेमजी छात्रवृत्ति से छात्राओं को मिलेगा लाभ

रांची: अजीम प्रेमजी फाउंडेशन ने इस वर्ष 20,000 तक छात्राओं को उच्च शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति देने की घोषणा की है। चयनित छात्राओं को हर साल 30,000 रुपये की सहायता मिलेगी। दिल्ली को 2026-27 में योजना में शामिल किया गया है, जबकि झारखंड समेत 21 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की पात्र छात्राएं आवेदन कर सकती हैं। वर्ष 2024 में शुरू हुई इस पहल के तहत अब तक 1.9 लाख से अधिक छात्राओं को सहायता मिल चुकी है। फाउंडेशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अनुराग बेहर ने कहा कि उच्च शिक्षा लड़कियों को आत्मनिर्भर बनने के अवसर देती है।

जिला शतरंज संघ के प्रतिनिधियों ने सीएम से की मुलाकात

रांची : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मंगलवार को झारखंड मंत्रालय में सरायकेला-खरसावां जिला शतरंज संघ के प्रतिनिधियों ने मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री को झारखंड राज्य के सरायकेला- खरसावां जिला में आयोजित होने वाले चीफ मिनिस्टर्स ट्रॉफी झ इंटरनेशनल ग्रैंडमस्टर शतरंज चैंपियनशिप- 2026 के आयोजन के संबंध में अवगत कराया। भारतीय शतरंज संघ एवं झारखंड शतरंज संघ के संयुक्त तत्वावधान में दिसम्बर 2026 में प्रस्तावित यह चैम्पियनशिप स्मृति शेष पद्म श्री दिशोम गुरु शिबू सोरेन की जयंती को समर्पित है। प्रतिनिधिमंडल में एसकेडीसीए के अध्यक्ष मनोज कुमार, उपाध्यक्ष लक्ष्मण टुडु, शैलेंद्र कुमार एवं अभिषेक दास सम्मिलित थे।

खाद में मनमानी लूट के खिलाफ प्रखंड कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन,बीडीओ को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता

मुरी : अन्नदाता किसानों से यूरिया,डीएपीखाद में मनमानी मुल्य वृद्धि व संकट पर रोक लगाने और यूरिया 266 रू प्रति बोरा के बजाय 400 से 500 रू प्रति बोरा तथा डीएपी ,खाद 1350 रु प्रति बोरा के बजाय 22 रू प्रति बोरा तथा मनमानी दर पर कीटनाशक अन्नदाता किसानों को बेचे जाने के खिलाफ झारखंड राज्य किसान सभा एवं माकपा द्वारा सोनाहातु प्रखंड कार्यालय के समक्ष धरना-प्रदर्शन किया गया और प्रखंड विकास पदाधिकारी को ज्ञापन सौंपा गया, ज्ञापन में यूरिया, डीएपी में मनमानी लूट के अलावे कोकरो एवं कांची नहर का पानी किसानों के खेत में छोड़ने, प्रखंड में व्याप्त भ्रष्टाचार पर रोक लगाने, हाथियों के आतंक से किसानों को निजात दिलाने का जिक्र किया गया। वन विभाग द्वारा निमडीह ग्रामीणो को रास्ता रोकने पर रोक लगाने, मनरेगा में 200 दिन काम एवं 700 रू मजदूरी देने,आनलाईन जमीन गड़बड़ी पर रोक लगाने,सर्वाधिक महंगाई, बेरोजगारी,नीजिकरण पर रोक लगाने आदि मांगपत्र प्रखंड विकास पदाधिकारी को ज्ञापन सौंप कर शीघ्र हस्तक्षेप करने का मांग किया गया। महासचिव सुफल महतो ने कहा झारखंड और देश के लिए भात - 400 रू में किसानों को बेचा जा रहा है,कोकरो एवं कांची नहर का पानी अभी तक किसानों के खेत के लिए नहीं छोड़ा गया है, प्रखंड में भ्रष्टाचार व्याप्त है।इस पर सरकार, प्रशासन, जनप्रतिनिधि मुकदर्शक बने हुए हैं,इस पर त्वरित कार्रवाई नहीं हुआ तो 26 सितंबर से बड़ा आन्दोलन का आव्हान किया गया। इस अवसर पर राज्य किसान कौंसिल सदस्य उमेश महतो, जिला किसान कोंसिल सदस्य घुरन पातर,बसंत मुंडा, हरिश्चंद्र प्रमाणिक, रामप्रसाद पातर, हृदय नाथ सिंह मुंडा, कलेश्वर मुंडा, जगन्नाथ मुंडा, राजेंद्र सिंह मुंडा, सुनील महतो,जीतवाहन उपेन्द्र मुंडा,मनिया ,जीतू महतो, महादेव कोइरी, विशेश्वर बड़ाईक, उपेन्द्र बडाईक, महेश्वर जीतन डोमन सिंह मुंडा, धर्मेश बुद्धेश्वर सुखदेव विशेश्वर महरू , शोभाराम पातर, बिरसा सहित काफी संख्या में किसान उपस्थित थे।

अधिक से अधिक लोगों को नेत्रदान के लिए करेंगे प्रेरित : शशि प्रकाश

संवाददाता

रांची : 25 अगस्त से 8 सितंबर 2026 तक पूरे देश के साथ झारखंड में भी 41वां नेत्रदान पखवाड़ाझ2026 मनाया जा रहा है। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन द्वारा नेत्रदान के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने, समाज में व्याप्त भ्रांतियों को दूर करने तथा अधिक से अधिक लोगों को नेत्रदान के लिए प्रेरित करने हेतु विभिन्न जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया ।

इस अवसर पर अभियान निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन शशि प्रकाश झा ने कहा कि नेत्रदान केवल एक दान नहीं, बल्कि मानवता का अनुपम उपहार है। मृत्यु के बाद भी हमारी आंखें किसी जरूरतमंद व्यक्ति के जीवन में प्रकाश ला सकती हैं। उन्होंने झारखंडवासियों से अपील की कि वे नेत्रदान के लिए संकल्प लें, अपने परिवार के सदस्यों को अपनी इच्छा के बारे में पहले से अवगत कराएं तथा अन्य लोगों को भी नेत्रदान के लिए प्रेरित करें। नेत्रदान पखवाड़े का उद्देश्य केवल लोगों को नेत्रदान की शपथ दिलाना नहीं, बल्कि प्रत्येक परिवार तक सही जानकारी पहुंचाना और नेत्रदान से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करना है। उन्होंने कहा कि विद्यालयों, महाविद्यालयों, पंचायतों, स्वास्थ्य संस्थानों, स्वयं सहायता समूहों, युवा संगठनों एवं सामाजिक संस्थाओं को अभियान से जोड़ा जाएगा।

उन्होंने सिविल सर्जनों, जिला कार्यक्रम पदाधिकारियों, नेत्र रोग विशेषज्ञों तथा स्वास्थ्य विभाग की पूरी टीम से अपील की कि इस पखवाड़े को विभागीय कार्यक्रम तक सीमित न रखते हुए जनभागीदारी का व्यापक अभियान बनाया जाए। उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से भी नेत्रदान के सकारात्मक एवं तथ्यपरक संदेश को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने पर जोर दिया।

मौके पर डॉ सिद्धार्थ सान्याल, निदेशक प्रमुख, स्वास्थ्य सेवाएं ने प्रतिभागियों को नेत्रदान पखवाड़ा के संबंध में जानकारी दिए । उन्होंने कहा कि नेत्रदान केवल एक दान नहीं है यह किसी के अंधकार जीवन में प्रकाश देने का संकल्प है । नेत्रदान करें, मानवता का संदेश दे और किसी की दुनिया को रोशन करें।

राज्य अंधापन नियंत्रण पदाधिकारी, डॉ पंकज कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय अंधत्व एवं दृष्टि दोष नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत मोतियाबिंद, अपवर्तक दोष, ग्लूकोमा, डायबिटिक रेटिनोपैथी, बाल्यावस्था में होने वाले दृष्टि दोष एवं कॉर्नियल अंधत्व सहित विभिन्न नेत्र रोगों की रोकथाम एवं उपचार के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। कॉर्निया से संबंधित अंधत्व के कुछ मामलों में कॉर्निया प्रत्यारोपण के माध्यम से दृष्टि वापस लाई जा रही है। इसके लिए दान किए गए कॉर्निया की उपलब्धता महत्वपूर्ण है।

सिविल सर्जन, डॉ अमरेंद्र प्रसाद ने कहा कि व्यक्ति अपने जीवनकाल में नेत्रदान की इच्छा व्यक्त कर सकता है, लेकिन नेत्र प्राप्ति की प्रक्रिया मृत्यु के बाद निर्धारित चिकित्सकीय एवं कानूनी प्रक्रियाओं के अनुसार होती है। इसलिए परिवार के सदस्यों को अपनी इच्छा के बारे में पहले से जानकारी देना अत्यंत महत्वपूर्ण है

उन्होंने कहा कि उन सभी परिवारों के प्रति विशेष सम्मान व्यक्त किया गया, जिन्होंने अपने प्रियजनों के निधन के बाद नेत्रदान का निर्णय लेकर मानवता की मिसाल कायम की है। ऐसे परिवार समाज के लिए प्रेरणा के स्रोत हैं और उनका योगदान किसी व्यक्ति के जीवन में दृष्टि का नया अवसर प्रदान कर सकता है।

मौके पर डॉ प्रभात कुमार, निदेशक स्वास्थ्य सेवाएं, डॉ विमलेश सिंह उपाधीक्षक सदर अस्पताल रांची, डॉ सुनील कुमार विभागध्यक्ष नेत्र विभाग रिम्स, डॉ आरके सिंह आईईसी कोषांग प्रभारी डॉ प्रतिश प्रणय नेत्र विशेषज्ञ सदर अस्पताल, डॉ सरिता लकड़ा विशेषज्ञ टीआरआई साइट सेवर इंडिया के प्रतिनिधि अन्य पदाधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे ।

एमएमडीआर संशोधन पर कांग्रेस के आरोप भ्रामक : अशोक बड़ाईक

संवाददाता

रांची : भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता अशोक बड़ाईक ने पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोध कांत सहाय के एमएमडीआर संशोधन अधिनियम को लेकर लगाए गए आरोपों पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस द्वारा 14 हजार करोड़ रुपये के संभावित राजस्व का मुद्दा उठाकर जनता को भ्रमित करने का प्रयास किया जा रहा है।

बड़ाईक ने कहा कि एमएमडीआर संशोधन किसी एक राज्य के लिए नहीं, बल्कि देश के खनिज क्षेत्र में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से है। उन्होंने सवाल उठाया कि कांग्रेस 14 हजार करोड़ रुपये के आंकड़े का आधार और इससे संबंधित वास्तविक कानूनी प्रावधान जनता के सामने स्पष्ट करे।

उन्होंने कहा कि केंद्र के स्तर से स्पष्ट किया गया है कि खनिज क्षेत्र से प्राप्त राजस्व का बड़ा हिस्सा राज्यों को मिलता है। ऐसे में केंद्र द्वारा झारखंड का खनिज राजस्व छीनने का आरोप भ्रामक है। उन्होंने खनन प्रभावित क्षेत्रों में जिला खनिज फाउंडेशन की राशि के उपयोग का हिसाब भी सार्वजनिक करने की मांग की।

भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि यदि कांग्रेस को संशोधन कानून पर आपत्ति है तो उसे संसद और न्यायिक प्रक्रिया के माध्यम से अपनी बात रखनी चाहिए। उन्होंने कांग्रेस से अवैध खनन और कोयला कारोबार के खिलाफ पूर्व में की गई कार्रवाई का भी हिसाब मांगते हुए कहा कि हर आर्थिक मुद्दे को 14 हजार करोड़ रुपये की राजनीतिक संख्या में बदलना समाधान नहीं है।

बड़ाईक ने कहा कि भाजपा के सांसद झारखंड और देश, दोनों के हित में काम करते हैं। उन्होंने कांग्रेस पर युवाओं से जुड़े झारखंड लोक सेवा आयोग और झारखंड कर्मचारी चयन आयोग के मामलों में भी दोहरे रवैये का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा कि भाजपा जनता के बीच एमएमडीआर कानून, राज्य के राजस्व, खनिज क्षेत्र में पारदर्शिता और अवैध खनन के खिलाफ कार्रवाई से जुड़े तथ्यों को रखेगी। उन्होंने कहा कि खनिज संपदा का लाभ झारखंड की जनता तक पहुंचना चाहिए और इसके लिए पारदर्शी व्यवस्था जरूरी है।

आजीविका कैडर संघ के प्रतिनिधियों ने ग्रामीण विकास मंत्री से की मुलाकात

रांची : झारखंड मंत्रालय स्थित एफएफपी भवन में झारखंड की ग्रामीण विकास, ग्रामीण कार्य एवं पंचायती राज मंत्री दीपिका पांडेय सिंह से आजीविका कैडर संघ के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। इस दौरान प्रतिनिधियों ने लंबित मानदेय के भुगतान, मानदेय में वृद्धि और ससमय मानदेय भुगतान सहित अपनी विभिन्न मांगों और समस्याओं से अवगत कराया।

ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने प्रतिनिधिमंडल की समस्याओं और मांगों को गंभीरतापूर्वक सुना और संबंधित मुद्दे पर विभागीय अधिकारियों के साथ चर्चा की। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका संवर्धन और महिलाओं की आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में कार्य कर रहे कैडरों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। गांवों की महिलाओं और परिवारों को आत्मनिर्भर बनाने तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में उनके योगदान को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने प्रतिनिधियों को आश्वस्त किया कि उनकी मांगों पर संवेदनशीलता और प्राथमिकता के साथ विचार करते हुए जल्द से जल्द आवश्यक विभागीय कार्रवाई की जाएगी। साथ ही लंबित मानदेय के भुगतान से संबंधित आवश्यक प्रक्रियाओं को भी शीघ्र आगे बढ़ाने के लिए विभागीय स्तर पर पहल की जाएगी। उन्होंने कहा कि जमीनी स्तर पर कार्य करने वाले आजीविका कैडर झारखंड के ग्रामीण विकास और महिला सशक्तिकरण की योजनाओं को गांव-गांव तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण कड़ी हैं। राज्य सरकार उनके योगदान का सम्मान करती है और उनकी समस्याओं के न्यायोचित समाधान के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर ग्रामीण विकास विभाग के सचिव श्री मनोज कुमार सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

भाजपा कर रही सस्ती राजनीति : लाल किशोर

रांची : झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव सह मीडिया विभाग के संयोजक लाल किशोर नाथ शाहदेव ने नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी के बयान पर तीखा पलटवार किया है। लाल किशोर नाथ शाहदेव ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि बाबूलाल मरांडी युवाओं के भविष्य को लेकर गंभीर होने के बजाय केवल सस्ती राजनीति और ड्रामा कर रहे हैं। लाल किशोर नाथ शाहदेव ने कहा कि बाबूलाल मरांडी प्रशासनिक अधिकारियों और पुलिस पर दबाव बनाकर निष्पक्ष जांच को प्रभावित करने का प्रयास कर रहे हैं। कानून और विधि-व्यवस्था के तहत काम कर रहे अधिकारियों को धमकी देना और अल्टीमेटम देना नेता प्रतिपक्ष की हताशा को दशार्ता है। कांग्रेस महासचिव लाल किशोर नाथ शाहदेव ने कहा कि राज्य सरकार छात्रों के हितों और पारदर्शी नियुक्ति प्रक्रियाओं को लेकर पूरी तरह प्रतिबद्ध है। जेपीएससी और जेएसएससी से जुड़े मामलों पर प्रशासनिक स्तर पर त्वरित और पारदर्शी जांच जारी है। भाजपा छात्रों की आड़ में राजनीतिक लाभ साधने और माहौल बिगाड़ने की साजिश कर रही है। लाल किशोर नाथ शाहदेव ने कहा कि मौके पर मौजूद दंडाधिकारी और पुलिस प्रशासन को सरकार की कठपुतली होने का मनगढ़ंत आरोप लगाना प्रशासनिक व्यवस्था को कमजोर करने का निंदनीय प्रयास है।

सिख समाज की समस्याओं पर कांग्रेस कार्यालय में हुई बैठक

रांची : झारखंड प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में मंगलवार को राज्य के विभिन्न जिलों से आए सिख समाज के प्रतिनिधियों एवं पदाधिकारियों की बैठक आयोजित हुई। बैठक में लौहनगरी जमशेदपुर समेत राज्य के विभिन्न क्षेत्रों से सैकड़ों लोगों ने भाग लिया। इस दौरान सिख समाज से जुड़ी विभिन्न समस्याओं और उनके समाधान को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश तथा विशिष्ट अतिथि पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोध कांत सहाय उपस्थित रहे। बैठक का आयोजन झारखंड अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष ज्योति सिंह मथारू ने किया। केशव महतो कमलेश ने अल्पसंख्यकों की समस्याओं के समाधान के लिए ज्योति सिंह मथारू द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने सिख समाज से बच्चों की बेहतर शिक्षा पर विशेष ध्यान देने की अपील करते हुए कहा कि सिख समाज अपनी मेहनत, सेवा और समर्पण के कारण देश में विशिष्ट पहचान रखता है। उन्होंने समाज की समस्याओं को सरकार के समक्ष उठाकर उनके समाधान के लिए हरसंभव प्रयास करने का भरोसा दिया। पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोध कांत सहाय ने कहा कि ज्योति सिंह मथारू अल्पसंख्यकों की समस्याओं के प्रति हमेशा सजग रहते हैं और विभिन्न जिलों में बैठक कर समस्याओं के समाधान का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने मथारू को कांग्रेस पार्टी का पुराना और समर्पित कार्यकर्ता बताया। ज्योति सिंह मथारू ने कहा कि अल्पसंख्यकों के हक और सम्मान की लड़ाई के लिए वे हर कुबार्नी देने को तैयार हैं। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद लोगों की सेवा के लिए वे 24 घंटे तत्पर रहते हैं। बैठक में विभिन्न जिलों से आए प्रतिनिधियों ने ज्योति सिंह मथारू को झारखंड अल्पसंख्यक आयोग का अध्यक्ष बनाए जाने की मांग भी की। इस अवसर पर शैलेंद्र सिंह, निशान सिंह, गुरमुख सिंह मुखे, राजेंद्र सिंह चहल, रविंद्र सिंह, आनंद सलूजा, डी.एस. नरूला सहित अन्य उपस्थित थे।

मंत्री दीपिका ने पथ सुदृढ़ीकरण कार्य का किया शिलान्यास

रांची : झारखंड सरकार की ग्रामीण विकास, ग्रामीण कार्य एवं पंचायती राज मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने लाल गुटवा पंचायत में मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत एनएच-23 गुटवाडिपू से भाया पीडब्ल्यूडी पथ पुंदाग तक 2.55 किलोमीटर लंबी सड़क के पथ सुदृढ़ीकरण कार्य का शिलान्यास किया। इस अवसर पर मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि झारखंड के विकास के संकल्प के साथ राज्य में सड़क, संपर्क और बुनियादी सुविधाओं का निरंतर विस्तार किया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों को बेहतर सड़क संपर्क से जोड़ना राज्य सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है।

स्वास्थ्य कर्मियों का प्रदर्शन कार्रवाई का मिला आश्वासन

संवाददाता

रांची : झारखंड चिकित्सा एवं जन स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के बैनर तले स्वास्थ्य कर्मचारियों ने अपनी 21 सूत्री मांगों को लेकर नामकुम स्थित स्वास्थ्य निदेशालय में निदेशक प्रमुख (स्वास्थ्य सेवाएं) के कार्यालय का घेराव किया। इस दौरान राज्यभर से आए लगभग 600 अनुबंध एएनएम, एमपीडब्ल्यू और आउटसोर्सिंग कर्मियों ने दोनों मुख्य द्वारों को बंद कर जमकर नारेबाजी और प्रदर्शन किया।

प्रदर्शन के दौरान कर्मचारियों ने आउटसोर्सिंग कर्मियों को समान काम के बदले न्यूनतम ?32,000 मानदेय देने, महिला कर्मचारियों को प्रति माह 2 दिनों का विशेष अवकाश प्रदान करने और मई 2026 से लंबित बकाये के तत्काल भुगतान की मांग रखी। इसके साथ ही अनुबंध एएनएम को स्वास्थ्य बीमा व ?15,000 मासिक इंसेंटिव देने, एमपीडब्ल्यू कर्मियों को वरीयता के आधार पर नियमित करने, कर्मचारी चयन आयोग के विज्ञापन को रद्द करने, लिपिकों के स्थानांतरण आदेश को निरस्त करने और बिहार की तर्ज पर पदसोपान लागू करने जैसी मांगें प्रमुखता से उठाई गईं।

धरना-प्रदर्शन के बाद संघ के प्रतिनिधिमंडल ने निदेशक प्रमुख के साथ सभी बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की। वार्ता में प्रशासन ने 10 दिनों के भीतर आवश्यक कार्रवाई करने का आश्वासन दिया और 31 अगस्त को पुनः समीक्षा बैठक निर्धारित करते हुए पत्रांक 252 (दिनांक 25.08.2026) के जरिए लिखित पत्र सौंपा। इस धरने को भूषण कुमार, अरविंद प्रसाद, जीतवाहन उरांव, महेश सिंह, सुधीर थापा, मीरा कुमारी और चन्द्रदीप ठाकुर सहित संघ के कई वरिष्ठ पदाधिकारियों ने संबोधित किया।

रांची का बाजार रक्षाबंधन को लेकर सज धजकर तैयार, बाजार में तरह-तरह की राखियां उपलब्ध

संवाददाता

रांची: रक्षाबंधन भाई-बहन का पवित्र त्योहार है। हर साल की तरह इस बार भी अपने प्यारे भैया की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधने की तैयारी में बहनें हैं। सावन महीने की पूर्णिमा तिथि को हर वर्ष मनाया जाने वाला यह त्योहार को लेकर इस बार भी तैयारी जोरों पर है। ऑनलाइन-ऑफलाइन बाजार में एक से बढ़कर एक राखी उपलब्ध है।

रक्षाबंधन के मौके पर कपड़ों के साथ-साथ बड़े पैमाने पर मिठाई का भी कारोबार होता है। हाल के वर्षों में ऑनलाइन कारोबार में हुई वृद्धि के बावजूद राजधानी रांची का बाजार रक्षाबंधन को लेकर पूरी तरह से सज-धजकर तैयार है।

रक्षाबंधन के मौके पर झारखंड सहित देशभर में बड़े पैमाने पर कारोबार होने के आसार हैं। झारखंड के व्यवसायियों को उम्मीद है कि इस बार पिछले साल की तुलना में अच्छा कारोबार होगा। बाजारों में 50 पैसे से लेकर 2500 रुपये तक के पारंपरिक और फैंसी राखी मिल रही हैं। बहनें अपनी पसंद के मुताबिक खरीददारी करने में जुटी हैं।

रांची के अपर बाजार में राखी का व्यवसाय कर रहे सोनू सिंह कहते हैं कि इस बार पिछले वर्ष की तुलना में अच्छा व्यवसाय होने की उम्मीद है। ऑनलाइन मार्केट उपलब्ध होने के बावजूद लोग अपनी पसंद के अनुसार खरीदारी करने के लिए बाजार में निकल रहे हैं। अपने प्यारे भैया के लिए राखी खरीदने निकली सौम्या कहती हैं कि ऑनलाइन से बेहतर खुद जाकर अपनी पसंद से खरीदारी करना उचित होता है। वह हर साल की तरह इस बार भी अपने भाई के लिए राखी खरीदकर भेज रही हैं। उन्होंने कहा कि समय के साथ इसमें भी बदलाव आया है और आज पारंपरिक राखी मेटल और अन्य चीजों से फैंसी राखी के रूप में उपलब्ध है। राखी से सजा बाजार घरेलू अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करता है। इस बार कोलकाता, दिल्ली के साथ-साथ झारखंड के विभिन्न शहरों में महिला समूहों द्वारा बनाई गई राखी की मांग अधिक है। इसके अलावा कपड़ों एवं मिठाई का भी बड़े पैमाने पर कारोबार इस मौके पर होता है, जिसको लेकर बाजार पूरी तरह से सज-धजकर तैयार है। संभावना व्यक्त की जा रही है कि इस साल राखी के मौके पर अकेले झारखंड में 100 करोड़ रुपये से अधिक का व्यवसाय होगा।

रक्षाबंधन हर साल सावन की पूर्णिमा तिथि को मनाया जाता है। इस दिन बहन अपने भाई की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधकर उनकी लंबी उम्र और सुख-समृद्धि की कामना करती है और भाई उसे जीवनभर रक्षा करने का वचन देता है। समय जरूर बदल रहा है, मगर भाई-बहन के पवित्र प्रेम, विश्वास और एक-दूसरे की रक्षा के अटूट संकल्प का त्योहार आज भी उसी अंदाज में मनाया जाता है।

इस त्योहार को लेकर कई तरह की पौराणिक कथाएं हैं। ऐसा कहा जाता है कि महाभारत काल में जब भगवान श्रीकृष्ण की उंगली कट गई थी, तब द्रौपदी ने अपनी साड़ी फाड़कर उनकी उंगली पर बांधा था, तब श्रीकृष्ण ने उसकी हर परिस्थिति में रक्षा करने का वचन दिया था। इसी तरह यमुना ने अपने भाई यमराज को सावन पूर्णिमा के दिन राखी बांधी थी, जिससे प्रसन्न होकर यमराज ने उन्हें अमरता का वरदान दिया था। भाई-बहन का यह अटूट प्रेम का प्रतीक है, जो आपसी रिश्तों के साथ-साथ संबंधों की प्रगाढ़ता बढ़ाता है।

झारखंड सचिवालय (प्रोजेक्ट भवन) में मीडियाकर्मियों के प्रवेश पर रोक निंदनीय : जेजेडब्ल्यूए

मेट्रो रेज

रांची : झारखंड मंत्रालय (प्रोजेक्ट भवन) में मीडियाकर्मियों के प्रवेश पर रोक लगाए जाने के फैसले के खिलाफ पत्रकारों में आक्रोश व्याप्त है। इस निर्णय के विरोध में राजधानी रांची के पत्रकारों ने झारखंड कैबिनेट की बैठक का बहिष्कार किया। विरोध-प्रदर्शन के दौरान पत्रकारों ने अपने कैमरे झुकाए रखे और माइक आईडी को जमीन पर रखकर लोकतंत्र के चौथे स्तंभ की उपेक्षा के प्रति अपना रोष व्यक्त किया। यह दृश्य सरकार और मीडिया के बीच बढ़ती संवादहीनता और संवेदनहीनता को स्पष्ट रूप से उजागर करता है।

झारखंड जर्नलिस्ट वेलफेयर एसोसिएशन (जेजेडब्ल्यूए) ने इस घटना की कड़े शब्दों में निंदा की है। जेजेडब्ल्यूए के पदाधिकारियों ने इस प्रतिबंध को अलोकतांत्रिक और तानाशाही कदम बताया है। एसोसिएशन का कहना है कि पत्रकार समाज और लोकतंत्र के प्रहरी हैं, और उन्हें समाचार संकलन से रोकना सीधे तौर पर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला है।

इस मामले की गंभीरता को देखते हुए जेजेडब्ल्यूए के प्रदेश अध्यक्ष जीतेन्द्र ज्योतिषी ने सूचना प्रसारण मंत्री और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से इस मामले में संज्ञान लेते हुए आवश्यक हस्तक्षेप करने का आग्रह किया है, ताकि पत्रकारों के अधिकारों की झारखंड में रक्षा सुनिश्चित की जा सके।

महिलाओं ने मनाया सावन महोत्सव

रांची : रेल कर्मचारी एवं आर पी एफ की गृहिणी महिलाओं ने सावन महोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया, वही महिलाओं ने मेंहदी प्रतियोगिता का भी कार्यक्रम रख एक से बढ़ कर एक मेंहदी बना एक दूसरे के साथ सावन की खुशहाली बटोरी,साथ ही महिलाओं ने पारंपरिक हरे रंग की साड़ियों और विशेष सावन थीम पर सज-धजकर सावन समारोह, रैंप वॉक और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित की। कार्यक्रम में मुख्य रूप से रूपम यादव, चांदनी,संजना यादव,शांति शर्मा,प्रमिला शर्मा,विष्णु प्रिया, खुशबू सिंह,रूप सिंह अन्य मौजूद रहे।

स्थानीय कांग्रेसियों की अनदेखी से कार्यकर्ताओं में नाराजगी

रांची: झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव प्रेम प्रकाश नाथ शाहदेव ने ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह के कार्यक्रम में स्थानीय कांग्रेस कार्यकताओं की कथित उपेक्षा को लेकर गहरी नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि पार्टी के लिए वर्षों से समर्पित कार्यकताओं को सम्मान और कार्यक्रमों की जानकारी तक नहीं मिलना बेहद पीड़ादायक और अपमानजनक है। शाहदेव ने कहा कि उनके पिता जीवनभर कांग्रेस पार्टी के झंडे के नीचे समर्पित रहे और वह स्वयं भी पिछले करीब 40 वर्षों से कांग्रेस के समर्पित सिपाही के रूप में पार्टी के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि नगरी प्रखंड क्षेत्र के समर्पित कांग्रेसियों ने कभी ठेकेदारी या निजी स्वार्थ के लिए किसी मंत्री के दरवाजे पर दस्तक नहीं दी, बल्कि पार्टी के कार्यक्रमों और चुनावों में पूरी ईमानदारी के साथ अपनी जिम्मेदारी निभाई है। उन्होंने बताया कि 25 अगस्त 2026 को ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने ललगुटवा पंचायत से एनएच-23, महुआ टोली होते हुए आईआईएम पुंदाग रोड तक लगभग 2.550 किलोमीटर सड़क का शिलान्यास किया। शाहदेव के अनुसार, इस कार्यक्रम की सूचना स्थानीय कांग्रेस कार्यकताओं को न तो मंत्री आवास से दी गई और न ही प्रदेश कांग्रेस कार्यालय की ओर से कोई जानकारी मिली। शाहदेव ने कहा कि नगरी प्रखंड अध्यक्ष महावीर लोहरा, कयुम अंसारी, परमेश्वर तिवारी, शाहिद अहमद, कुलदीप तिवारी, लक्ष्मी सिंह और देवेंद्र महतो समेत कई समर्पित कार्यकर्ता नगरी और हटिया विधानसभा क्षेत्र में पार्टी के कार्यक्रमों और चुनावी गतिविधियों में लगातार सक्रिय रहे हैं। इसके बावजूद उन्हें शिलान्यास कार्यक्रम की जानकारी नहीं मिलना कार्यकताओं के बीच आक्रोश का कारण बना है।

आदिवासियों की आरक्षित सीट घटाने की साजिश चल रही है : शिवा कच्छप

30 अगस्त को मोरहाबादी मैदान में होगा आदिवासी एकता महाजुटान

संवाददाता

रांची : आदिवासी एकता महाजुटान रैली की तैयारियों को लेकर बुधवार को पिस्का मोड़, रांची में विभिन्न आदिवासी संगठनों के प्रतिनिधियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी 30 अगस्त को मोरहाबादी मैदान में होने वाली आदिवासी एकता महाजुटान रैली की तैयारियों और रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए केंद्रीय सरना संघर्ष समिति के अध्यक्ष शिवा कच्छप ने कहा कि परिसीमन के कारण आदिवासियों के राजनीतिक प्रतिनिधित्व पर किसी भी तरह का प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज को अपने संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए हर स्तर पर आवाज उठाने और संगठित रहने का संकल्प लेना होगा।

शिवा कच्छप ने आरोप लगाया कि आदिवासियों की पहचान और अस्तित्व खतरे में है तथा परिसीमन की आड़ में आदिवासियों की आरक्षित सीटों को कम करने की साजिश की जा रही है। उन्होंने आदिवासी समाज से एकजुट होकर अपने संवैधानिक और राजनीतिक अधिकारों की रक्षा के लिए आगे आने का आह्वान किया। बैठक में 30 अगस्त की महाजुटान रैली को सफल बनाने तथा अधिक से अधिक आदिवासी संगठनों और समुदाय के लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने पर भी चर्चा हुई। बैठक में मुख्य रूप से बुचू तिर्की, दिनेश उरांव, अजय तिर्की, धरमू उरांव, सुरेश तिर्की, भोला तिर्की, लालू उरांव, बिरेंद्र बांडों, प्रकाश तिर्की, करमचंद गाड़ी, बुधवा उरांव और महादेव उरांव सहित अन्य प्रतिनिधि उपस्थित थे।

रांची नगर निगम की सख्ती, 20 कोचिंग संस्थानों व पुस्तकालयों को नोटिस

रांची : विद्यार्थियों की सुरक्षा और भवन नियमों के अनुपालन को लेकर रांची नगर निगम ने कोचिंग संस्थानों एवं पुस्तकालयों के खिलाफ जांच अभियान शुरू किया है। यह कार्रवाई सर्वोच्च न्यायालय के संबंधित आदेश के आलोक में की जा रही है। निगम ने 25 अगस्त को पहले चरण में 20 कोचिंग संस्थानों एवं पुस्तकालयों को नोटिस जारी किया है। निगम के अनुसार, बिना स्वीकृत भवन मानचित्र के निर्माण अथवा स्वीकृत उपयोग के विपरीत भवन का इस्तेमाल अनधिकृत माना जाएगा। साथ ही बिना वैध व्यापार अनुज्ञप्ति या आवश्यक अनुमति के संचालित संस्थानों पर भी नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। आवासीय भवनों का व्यावसायिक उपयोग किए जाने की स्थिति में भी स्वीकृत उपयोग और लागू नियमों के अनुरूप जांच होगी। निगम ने विद्यार्थियों की सुरक्षा को देखते हुए अग्नि सुरक्षा व्यवस्था, आपातकालीन निकास और वैध अग्नि सुरक्षा अनापत्ति प्रमाणपत्र को अनिवार्य बताया है। जांच के दौरान सुरक्षा मानकों में कमी पाए जाने पर संबंधित संस्था और भवन के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। नोटिस पाने वाले संस्थानों में लालपुर स्थित हरिओम टावर, ली डिजायर कॉम्प्लेक्स समेत अन्य स्थानों के विभिन्न कोचिंग संस्थान एवं पुस्तकालय शामिल हैं। इनमें न्यूटन ट्यूटोरियल, समर्थ एकेडमी, फिटजी, विजन आईएएस, इटरनल करियर क्लासेस, कैड डिजाइन स्कूल, स्काई टेक एविएशन, मेंटर्स एडुसर्व, केडी लाइब्रेरी, वीएमएस लाइब्रेरी, प्रेरणा इंस्टीट्यूट, इनसाइट लाइब्रेरी, मेटा विजन एकेडमी, परफेक्ट ट्यूटोरियल, किरण एकेडमी, एग्जाम फाइटर सहित अन्य संस्थान शामिल हैं।

सांस्कृतिक कला दलों की बैठक में करम पूर्व संध्या समारोह के आयोजन का निर्णय

रांची : सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, रांची से पंजीकृत सांस्कृतिक कला दलों की बैठक उपनिदेशक, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल-सह-जिला जनसंपर्क पदाधिकारी उर्वशी पांडे की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में 50 से अधिक पंजीकृत सांस्कृतिक कला दलों के दल नेताओं ने भाग लिया।

बैठक में आदिवासी महोत्सव के अवसर पर भव्य जतरा एवं अखड़ा कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए कला दलों के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री एवं विभागीय पदाधिकारियों के प्रति आभार जताया। इस अवसर पर संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित श्रीमती बूटन देवी को उपनिदेशक सह जिला जनसंपर्क पदाधिकारी उर्वशी पांडे ने स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। बैठक में गीत-नाट्य एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से सरकार की जनोपयोगी योजनाओं और विषयों का प्रचार-प्रसार और अधिक प्रभावी बनाने पर जोर दिया गया। कलाकारों ने कहा कि लोक कला एवं संस्कृति के माध्यम से सरकारी योजनाओं की जानकारी आम लोगों तक आसानी से पहुंचाई जा सकती है। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि सभी पंजीकृत सांस्कृतिक कला दलों के कलाकार करम पर्व के अवसर पर करम पूर्व संध्या समारोह आयोजित करने के लिए मुख्यमंत्री से आग्रह करेंगे।

डीपीएस सेल टाउनशिप में नन्हे कलाकारों ने समन्वय से बिखेरा रंग

रांची : दिल्ली पब्लिक स्कूल, सेल टाउनशिप, रांची के विवेकानंद सभागार में मंगलवार को कक्षा प्रेप से कक्षा दो तक के विद्यार्थियों ने वार्षिक समारोह ह्यसमन्वयह्न का भव्य प्रदर्शन किया। करीब 300 विद्यार्थियों ने संगीत, नृत्य और नाट्य प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। समारोह का मुख्य विषय मानव जीवन और प्रकृति के बीच तालमेल रहा। गणपति आराधना से शुरू हुए कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने माता-पिता के जीवन में महत्व, पशु-पक्षियों एवं वनस्पतियों की उपयोगिता तथा स्वच्छता और सुचिता के महत्व को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया।

फुटपाथ पर अवैध होर्डिंग हटाने का निगम ने एजेंसियों को दिया निर्देश

संवाददाता

रांची : पैदल यात्रियों के सुरक्षित और सुगम आवागमन को लेकर रांची नगर निगम ने शहर में अवैध होर्डिंग, एकल खंभे एवं एकल पोल के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। सर्वोच्च न्यायालय और झारखंड उच्च न्यायालय के आदेश के आलोक में फुटपाथ पर लगाए गए होर्डिंग तथा 12 फीट से कम ऊंचाई वाले होर्डिंग हटाने का निर्देश दिया गया है।

इसी क्रम में नगर निगम की टीम ने राम मंदिर, कांके रोड से हिनू चौक वाया हरमू बाईपास मार्ग पर लगाए गए होर्डिंग, एकल खंभे एवं एकल पोल की जांच की। जांच में करीब 95 प्रतिशत होर्डिंग 12 फीट से कम ऊंचाई पर अथवा फुटपाथ और पैदल पथ के क्षेत्र में लगाए जाने की बात सामने आई। इससे पैदल यात्रियों के आवागमन में बाधा उत्पन्न होने की स्थिति पाई गई।

नगर निगम ने सभी संबंधित विज्ञापन एजेंसियों एवं होर्डिंग संचालकों को न्यायालय के निदेशों का पालन करते हुए ऐसे सभी अवैध होर्डिंग, एकल खंभे एवं एकल पोल को जल्द स्वयं हटाने का निर्देश दिया है। निर्धारित समय सीमा में इन्हें नहीं हटाने पर निगम द्वारा नियमानुसार कार्रवाई करते हुए संरचनाओं को हटाया जाएगा।

निगम ने स्पष्ट किया है कि न्यायालय के आदेशों का अनुपालन नहीं करने वाली संबंधित एजेंसियों के खिलाफ काली सूची में डालने सहित अन्य नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

शहर के अन्य प्रमुख मार्गों पर भी होर्डिंग एवं विज्ञापन संरचनाओं की जांच का अभियान जारी है। नगर निगम ने कहा कि फुटपाथ और पैदल यात्रियों के मार्ग को अतिक्रमणमुक्त एवं सुगम बनाए रखना उसकी प्राथमिकता है। न्यायालय के निदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए आगे भी लगातार कार्रवाई की जाएगी।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,एन०आर०ई०पी०, खूँटी

ई. निविदा अन्तर्गत अतिअल्पकालीन निविदा आमंत्रण
(Two Envelop System)

अतिअल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या. NREP/KHUNTI/F,-09/2026-27 दिनांक–25.08.2026

कार्य का नाम:–

क्र० सं०	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि (रू. में)	परिमाण विपत्र का मुल्य (रू. में)	कार्य समाप्ति की अवधि
1	2	3	4	5
1.	ठक्कर बाप्पा अनुसुचित जनजाति छात्रावास , खूँटी का मरम्मति कार्य।	1,34,20,000.00	10,000.00	11 माह

नोट–केवल ई.–निविदा ही स्वीकार होगा।
1. अधिक जानकारी के लिए बेवसाईट www.jharkhandtenders.gov.in पर देखें।
2. बेवसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि:–01.09.2026
3. ई.–निविदा की अंतिम तिथि एवं समय :–08.09.2026 अपराहन 4:00 बजे तक
4. ई–निविदा की परिमाण विपत्र एवं एवं अग्रधन की राशि ऑनलाईन जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय 08.09.2026 अपराहन् 4 बजे तक(e-Procurement Portal- jharkhandtenders.gov.in)
5. निविदा खोलने की तिथि:–09.09.2026 को अपराहन 2:00 बजे।
6. निविदा आमंत्रित करनेवाले पदाधिकारी का नाम,पता,दूरभाष सं./ई–मेल :–कार्यपालक अभियन्ता, एन०आर०ई०पी०,खूँटी / 9199914370 / divisionnrep@gmail.com
7. स्वीकृत प्राक्कलित में में उक्त वर्णित कार्यो की मात्रा / राशि घट–बढ़ सकती है। तदनुसार ही अग्रधन की राशि जमा(ऑनलाईन जमा) करना होगा एवं इस संबंध में कोई दावा मान्य नहीं होगा।

कार्यपालक अभियन्ता,
एन०आर०ई०पी०,खूँटी

PR 388342 NREP(26-27)#D

Annexure 1

कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय,लघु सिंचाई प्रमंडल, रामगढ़

अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा संख्या–WRD/MID/RAMGARH F2 - 06/2026-27 4th Call

दिनांक–24.08.2026

1	योजना का नाम	DMFT न्यास परिषद् से अनुमोदन के द्वारा स्वीकृत आँगनबाड़ी केन्द्रों में पेयजल आपूर्ति एवं शौचालय योजनाएँ
2	विज्ञापन दाता का नाम	कार्यपालक अभियन्ता, लघु सिंचाई प्रमण्डल, रामगढ़।
3	परिमाण विपत्र बिक्री की तिथि	दिनांक 27.08.2026 से 03.09.2026 कार्यालय अवधि में
4	निविदा प्राप्त करने की तिथि एवं समय	दिनांक 05.09.2026 समय 2:00 बजे अपराह्न तक।
5	निविदा खोलने की तिथि	दिनांक 05.09.2026 समय 3:00 बजे अपराह्न
6	परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान	1. कार्यपालक अभियन्ता, लघु सिंचाई प्रमण्डल, रामगढ़। 2. अधीक्षण अभियन्ता, लघु सिंचाई अंचल, हजारीबाग।
7	निविदा प्राप्ति एवं खोलने का स्थान	कार्यपालक अभियन्ता, लघु सिंचाई प्रमण्डल, रामगढ़।
6	(क) निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का पदनाम एवं पता (ख) निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का फोन नं0/ई–मेल	कार्यपालक अभियन्ता, लघु सिंचाई प्रमण्डल, रामगढ़। मोबाईल नम्बर–8292457160 eemidramgarh24408@gmail.com

क्र०	प्रखण्ड	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य (रू०)	अग्रधन की राशि	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	6		7
2	Chitarpur	Construction of Toilet with septic Tank Soak put and Sumbersible motor pump Al Anganwadi Centre Karmali tola Vill- Sandi, Panchayat Bhuchungdih, Block-Chitarpur under Ramgarh District for the year 2025-26	2,20,157.00	500.00	4404.00	2 (दो) माह

नोट– प्रकाशित निविदा के प्राक्कलित राशि में घट–बढ़ सकती है।

कार्यपालक अभियन्ता,
लघु सिंचाई प्रमण्डल, रामगढ

PR 388437 (Minor Irrigation)26-27*D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
विशेष कार्य प्रमण्डल, भवन निर्माण विभाग, राँची
Mail:-splworksdivbcdrnc@gmail.com

अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना सं0–25 / 2026–27

1. विज्ञापनदाता का पदनाम :– कार्यपालक अभियंता, विशेष कार्य प्रमण्डल, भवन निर्माण विभाग, राँची।
2. परिमाण विपत्र बिक्री की तिथि :– दिनांक–09.09.2026 को अपराह्न 1.00 बजे तक।
3. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय :– दिनांक–10.09.2026 को अपराह्न 3.00 बजे तक।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय :– दिनांक–10.09.2026 को अपराह्न 3.30 बजे।
5. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान :– (क) अधीक्षण अभियंता का कार्यालय, छोटानागपुर भवन अंचल संख्या–1, भवन निर्माण विभाग, राँची। (ख) कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, विशेष कार्य प्रमंडल, भवन निर्माण विभाग राँची।
6. निविदा प्राप्ति एवं खोलने का स्थान :– कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, विशेष कार्य प्रमंडल, भवन निर्माण विभाग, राँची।
7. निविदाधीन कार्य का विवरण :–

क्र. सं	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रू0)	अग्रधन की राशि (रू0)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रू0)	कार्य समाप्ति की अवधि
1	Deployment of additional Security Guards in New Jharkhand Bhawan, Bangla Sahib Road, New Delhi Up to 17.06.2027	49,01,800/-	98,100.00	5000.00	11 Months
2.	Supply of RFID Cards, Luggage Trolley, Scaffolding and Repair work of Center/Coffee Table, Mirror, FCU Controller and other Works at New Jharkhand Bhawan, Bangla Sahib Road, New Delhi	15,62,000/-	31,300.00	5000.00	02 Months
3.	Fabrication of Kiosk for Jharkhand Tourism Centre in Exhibition Area, Ground Floor at New Jharkhand Bhawan, Bangla Sahib Road, New Delhi	14,32,700/-	28,700.00	2500.00	02 Months

8. निविदा की शर्तें WWW.jharkhand.gov.in एवं कार्यालय के सूचना पट पर देखा जा सकता है।

विश्वासभाजन
कार्यपालक अभियंता
विशेष कार्य प्रमण्डल, भ0 नि0 वि0, राँची

PR 388381 Building (26-27)_D

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

मक्का रक्षा समझौता और भारतीय उपमहाद्वीप का बदलता भू-राजनीतिक चक्रव्यूह

मक्का में सऊदी अरब, पाकिस्तान और तुर्किये के बीच सात अगस्त 2026 को हुआ ह्यमक्का संयुक्त रक्षा समझौताह्ल भारतीय उपमहाद्वीप में ऐसे समय में सामने आया है जब मध्य-पूर्व में जारी संघर्षों ने पारंपरिक सुरक्षा समीकरणों को हिला दिया है। समझौते के तहत तीनों देशों ने सामूहिक प्रतिरोध को मजबूत करने और किसी एक सदस्य पर सशस्त्र हमले को तीनों पर हमला मानने की प्रतिबद्धता जताई है। भारत के लिए इस घटनाक्रम की गंभीरता तब और बढ़ जाती है, जब इसी समझौते के प्रति बांग्लादेश ने भी सकारात्मक रुख के संकेत दिए हैं। बांग्लादेश के विदेश मामलों के सलाहकार हुमायूं कबीर ने कहा है कि ढाका सऊदी अरब, पाकिस्तान और तुर्किये से जुड़े आर्थिक या रक्षा ढांचे में शामिल होने की संभावना के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रखता है। ऐसे में मक्का समझौते को इस्लामिक मजहबी करण के उम्मा के तहत एकजुटता के चश्मे से भी देखा जा रहा है। तुर्किये के पास विकसित होती रक्षा औद्योगिक क्षमता है, जबकि पाकिस्तान के पास बड़ा सैन्य ढांचा और परमाणु क्षमता है, इसलिए इसे ह्यइस्लामिक नाटोह्ल तक कहा जा रहा है। बांग्लादेश की रुचि इसी कारण महत्वपूर्ण है। ढाका ने अभी समझौते में शामिल होने की घोषणा नहीं की है, किंतु उसके वरिष्ठ अधिकारियों के वक्तव्य यह स्पष्ट करते हैं कि वह पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्किये के साथ अपने संबंधों को व्यापक बनाने के विकल्प को खुला रख रहा है। एक ओर हुमायूं कबीर ने बांग्लादेश फर्स्ट नीति के तहत राष्ट्रीय हित को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की बात कही है। दूसरी ओर विदेश मामलों की राज्यमंत्री शमा ओबैद इस्लाम ने भी कहा है कि किसी बहुपक्षीय समझौते में शामिल होने का निर्णय इस बात पर निर्भर करेगा कि उससे बांग्लादेश और उसके लोगों के हित सुरक्षित होते हैं या नहीं। स्वभाविक है, यदि बांग्लादेश भविष्य में इस ढांचे के किसी रक्षा स्वरूप से जुड़ता है, तो भारत के लिए यह बेहद चिंता का विषय है। क्योंकि इससे भारत के पूर्वोत्तर की रणनीतिक स्थिति पर उसका प्रभाव पड़ सकता है। विशेष रूप से सिलीगुड़ी कॉरिडोर भारत की सुरक्षा संरचना का अत्यंत संवेदनशील हिस्सा है। पश्चिम बंगाल के उत्तर में स्थित यह संकीर्ण भूभाग देश के मुख्य हिस्से को पूर्वोत्तर राज्यों से जोड़ता है। किसी भी बड़े सैन्य संकट में इसकी सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। वहीं, भारत के पश्चिम में पाकिस्तान और उत्तर में चीन पहले से ही सुरक्षा चुनौती हैं। यहां सबसे बड़ा खतरा किसी तत्काल युद्ध का भले ही न हो, पर बहुस्तरीय दबाव का निर्माण अभी से दिखाई दे रहा है। यदि पाकिस्तान की सैन्य क्षमता, तुर्किये की रक्षा तकनीक और बांग्लादेश की भौगोलिक स्थिति किसी भविष्य के संकट में एक-दूसरे के पूरक बनते हैं, तो भारत को एक साथ पश्चिमी और पूर्वी दिशाओं में अतिरिक्त सैन्य संसाधन लगाने पड़ेंगे। वहीं मक्का समझौता पाकिस्तान को अपनी क्षेत्रीय और इस्लामी दुनिया की कूटनीति में नया मंच भी देगा। पाकिस्तान पहले से सऊदी अरब के साथ रक्षा संबंधों में गहराई रखता है और तुर्किये के साथ उसके सैन्य संबंध भी मजबूत हैं। मक्का समझौता इन द्विपक्षीय रिश्तों को एक त्रिपक्षीय ढांचे में जोड़ता है। ऐसे में भारत के लिए चुनौती यह है कि पाकिस्तान भविष्य में इस मंच का उपयोग कश्मीर सहित भारत से जुड़े मुद्दों को व्यापक अंतरराष्ट्रीय या इस्लामी कूटनीतिक विमर्श में ले जाने के लिए भी कर सकता है। अब भारत के संदर्भ में एक पक्ष ओर भी है, देश की बाहरी सुरक्षा जितनी महत्वपूर्ण है, उतनी ही महत्वपूर्ण आंतरिक स्थिरता भी है। आतंकवाद और इस्लामिक जिहादी, चरमपंथी नेटवर्क किसी भी संभावित सैन्य संकट में बाहरी शक्तियों के लिए अप्रत्यक्ष दबाव का माध्यम बनते हैं, इसलिए खुफिया एजेंसियों, राज्य पुलिस, आतंकवाद निरोधी इकाइयों, वित्तीय जांच एजेंसियों और साइबर सुरक्षा तंत्र के बीच वास्तविक समय में सूचनाओं के आदान-प्रदान को मजबूत करना होगा। ह्यगजवा-ए-हिंदह्ल जैसी हिंसक चरमपंथी विचारधाराओं का मुकाबला सख्ती के साथ करना होगा। दूसरी ओर मक्का समझौते का सबसे बड़ा सबक भारत के लिए यह है कि भू-राजनीति स्थिर नहीं है। आज का साझेदार कल किसी दूसरे रणनीतिक ढांचे का हिस्सा हो सकता है, इसलिए भारत की सुरक्षा नीति को किसी एक देश या किसी एक संभावित युद्ध पर केंद्रित रहने के बजाय पूरे हिंद महासागर से लेकर हिमालय और पूर्वोत्तर तक एकीकृत दृष्टिकोण अपनाना होगा। भारत को एक साथ चार काम करने होंगे, पहला- बांग्लादेश के साथ उच्चस्तरीय रणनीतिक संवाद बनाए रखना, दूसरा- पूर्वोत्तर और सिलीगुड़ी कॉरिडोर की संरचनात्मक सुरक्षा बढ़ाना, तीसरा- बंगाल की खाड़ी में समुद्री श्रेष्ठता कायम रखना और अंतिम- पाकिस्तान-तुर्किये की रक्षा साझेदारी से उत्पन्न संभावित तकनीकी चुनौतियों के लिए स्वदेशी क्षमता विकसित करते रहना, जिस पर कि इन दिनों कार्य होता हुआ भी दिखता है। अंतिम और महत्वपूर्ण बात हय है कि भले ही मक्का रक्षा समझौता आज भारत के खिलाफ घोषित सैन्य गठबंधन नहीं हो, फिर भी यह सच है कि बांग्लादेश द्वारा इसमें संभावित भागीदारी के प्रति दिखाई गई सकारात्मकता भारतीय उपमहाद्वीप के लिए एक अलग चुनौती खड़ा करती है। यदि पश्चिम में पाकिस्तान और पूर्व में बांग्लादेश किसी ऐसे व्यापक सुरक्षा नेटवर्क के करीब आते हैं, जिसमें तुर्किये जैसी रक्षा तकनीकी शक्ति भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, तो भारत के सामने योजनात्मक गणित निश्चित रूप से जटिल होगा। तब हमें जरूर ध्यान रखना चाहिए कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति में बड़े संकट अक्सर किसी संधि के हस्ताक्षर के दिन से आरंभ होकर बाद में बनते हुए नेटवर्कों से आकार लेते हैं। बांग्लादेश की वर्तमान रुचि इसी उभरते नेटवर्क का पहला संकेत हो सकती है, जिसे शुरूआत में ही जड़ से उखाड़ा जाना बेहद जरूरी है।

सत्येन्द्र जैन के जेल जाने के खतरे

वे दो साल से ज्यादा जेल में रहे। उनकी गिरफ्तारी के बाद ही दिल्ली के चर्चित शराब घोटाले में आम आदमी पार्टी के बड़े नेताओं की गिरफ्तारी का सिलसिला शुरू हुआ। पहले 26 फरवरी 2023 को उपमुख्यमंत्री रहे मनीष सिसोदिया की गिरफ्तारी हुई। फिर सांसद संजय सिंह 4 अक्टूबर 2023 को गिरफ्तार हुए और आखिरकार 21 मार्च 2024 को पार्टी के सर्वेसर्वा दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल गिरफ्तार हुए।

मनोज कुमार मिश्र

आम आदमी पार्टी (आआपा) के बड़े नेता और उसकी दिल्ली की सरकार में मंत्री रहे सत्येन्द्र जैन की दिल्ली जल बोर्ड के भ्रष्टाचार के एक मामले में गिरफ्तारी ने पार्टी पर आने वाले भारी संकट के संकेत दे दिए हैं। धन शोधन के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मई 2022 में सत्येन्द्र जैन को गिरफ्तार किया था। उसके नौ महीने बाद उन्होंने मंत्री पद से इस्तीफा दिया था। वे दो साल से ज्यादा जेल में रहे। उनकी गिरफ्तारी के बाद ही दिल्ली के चर्चित शराब घोटाले में आम आदमी पार्टी के बड़े नेताओं की गिरफ्तारी का सिलसिला शुरू हुआ। पहले 26 फरवरी 2023 को उपमुख्यमंत्री रहे मनीष सिसोदिया की गिरफ्तारी हुई। फिर सांसद संजय सिंह 4 अक्टूबर 2023 को गिरफ्तार हुए और आखिरकार 21 मार्च 2024 को पार्टी के सर्वेसर्वा दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल गिरफ्तार हुए। उन्हें लोकसभा चुनाव में प्रचार करने के लिए उच्चतम न्यायालय ने 10 मई 2024 को एक जून तक के लिए जमानत दी। जमानत के बाद ने दो जून 2024 को वापस तिहाड़ जेल गए। 26 जून को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने गिरफ्तार किया, वे जेल में ही रहे। 13 दिसंबर 2024 को वे जमानत मिलने पर बाहर आ पाए। फरवरी 2026 में ट्रायल कोर्ट ने सभी 23 आरोपितों को बरी कर दिया। उसके खिलाफ सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की याचिका पर मामला उच्च न्यायालय में विचाराधीन हैं। यानी केजरीवाल और उनके लोगों पर से तलवार पूरी तरह से हटी नहीं है। दिल्ली से सत्ता जाने के बाद आम आदमी पार्टी केवल पंजाब में काबिज है, जहां अगले साल विधानसभा चुनाव हैं। पुराने मामलों का कैग (सीएजी) से जैसे-जैसे भ्रष्टाचार के मामले सार्वजनिक हो रहे हैं, आआपा सरकार पर सरकारी जांच एजेंसियों का शिकंजा कसना तय सा माना जा रहा है। माना जा रहा है जल बोर्ड ही नहीं, मुख्यमंत्री के सरकारी निवास (आम बोलचाल में शीश महल) समेत, स्कूलों के निर्माण और मरम्मत से लेकर अनेक निर्माण कार्यों में भ्रष्टाचार के मामले पहले से ही सार्वजनिक हैं। ऐसे में आने वाले दिनों में आम आदमी पार्टी पर खतरा बेहिसाब बढ़ा है। इसी के चलते सत्येन्द्र जैन की गिरफ्तारी पर केजरीवाल बौखलाकर भाजपा की अगुवाई वाली केन्द्र सरकार पर आरोप लगा रहे हैं। दिल्ली जल बोर्ड की अवजल शोधन संयंत्र (एसटीपी) परियोजना की निविदा प्रक्रिया में कथित भ्रष्टाचार होने के आरोप में दिल्ली की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा(एसीबी) ने 10 मई 2024 को सत्येन्द्र जैन, जल बोर्ड के तत्कालीन मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) उदित प्रकाश राय आदि के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की। उन्हें पांच अगस्त को पूछताछ के लिए बुलाया। 18 अगस्त को दोबारा पूछताछ के लिए बुलाकर उनके साथ पूर्व संविदा सलाहकार अंकित श्रीवास्तव, नगेन्द्र यादव, राजा कुमार कुर्रा और पंकज वर्मा को गिरफ्तार कर 19 अगस्त को विशेष न्यायाधीश विनय सिंह की अदालत में पेश किया। न्यायाधीश ने सभी को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

इस गिरफ्तारी से आम आदमी पार्टी पर संकट बढ़ने के संकेत मिलने लगे हैं। संयोग से आम आदमी पार्टी ने सत्येन्द्र जैन को पंजाब का उप प्रभारी भी बनाया है। पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल इस गिरफ्तारी के लिए भाजपा पर पहले की तरह जांच एजेंसियों का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया। पार्टी नेताओं का आरोप है कि पंजाब विधानसभा में आम आदमी पार्टी की बढ़त से परेशान भाजपा एसीबी अधिकारियों पर दबाव डालकर गिरफ्तारी करवाई गई, जबकि भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा का आरोप है कि आम आदमी पार्टी शासन में दिल्ली जल बोर्ड लूट का केन्द्र बना दिया गया था। सरकारी ऑडिट (सीएजी) की जांच में आम आदमी पार्टी के दस साल के शासन में साठ हजार करोड़ का घोटाला सामने आया है। माना जा रहा है कि यह भी शराब घोटाले जैसा आम आदमी पार्टी के लिए भारी संकट खड़ा करने वाला साबित होगा।

वर्ष 2022 में शराब घोटाले की जांच शुरू होने के बाद ईडी ने बड़ी तादात में गिरफ्तारी की, लेकिन 26 फरवरी 2023 को मनीष सिसोदिया की गिरफ्तारी से आम आदमी पार्टी को भारी झटका लगा। उनको 17 महीने बाद जमानत मिली। दूसरे आर्थिक मामले में केजरीवाल के दूसरे मंत्री रहे सतेन्द्र जैन मई 2022 से जेल में थे। वे दो साल से जेल में रहे। इसी तरह संजय सिंह को शराब घोटाले में ही 4 अक्टूबर 2023 को गिरफ्तार किया गया। उन्हें छह महीने बाद विभिन्न पाबंदियों के साथ जमानत मिली। अरविंद केजरीवाल को ईडी ने बातचीत के लिए अनेक सम्मन भेजे। ईडी में पेश न होने के लिए अदालत भी गए, लेकिन उन्हें राहत नहीं मिली। आखिरकार ईडी ने उन्हें 21 मार्च 2024 को गिरफ्तार किया। अपनी गिरफ्तारी को उन्होंने उच्चतम न्यायालय तक में चुनौती दी। उच्चतम न्यायालय ने पहली बार किसी नेता को केवल चुनाव प्रचार के लिए तीन हफ्ते की जमानत दे दी। वे जमानत पर 10 मई को बाहर आए और दो जून को वापस जेल गए। 26 जून को सीबीआई ने उन पर दूसरा मामला दायर कर दिया। वे करीब पांच महीने जेल में रहने के बाद भारी प्रयास के बाद 13 सितंबर 2024 को उन्हें उच्चतम न्यायालय से जमानत मिलने पर बाहर आए। अभी फरवरी 2026 में ट्रायल कोर्ट ने सबूत के अभाव में शराब घोटाले के सभी 23 आरोपितों को बरी कर दिया। उनके खिलाफ सीबीआई ने उच्च न्यायालय में याचिका दायर की है। याचिका विचाराधीन है। आम आदमी पार्टी और उसके सर्वेसर्वा अरविंद केजरीवाल सत्ता के लिए बने हैं इसे इस राजनीतिक पार्टी के 14 साल के इतिहास ने साबित किया है। समाजसेवी अण्णा हजारे की अगुवाई में भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन के सहारे राजनीति में आने वाले केजरीवाल ने वह सभी काम किए जो इस देश के आम राजनेता करते रहे हैं या इसके लिए राजनेता बदनाम हैं। कई मामलों में तो केजरीवाल ने परंपरागत दलों के नेताओं को भी पीछे छोड़ दिया है। सत्ता में आने के लिए उन्होंने जो वायदे किए थे, सत्ता में आने के बाद सारे आचरण उसके उलट किए। दिल्ली की सत्ता से बाहर होने के बाद भी उनका व्यवहार नहीं बदला। उन पर शराब घोटाला से लेकर अपने सरकारी आवास को करोड़ों खर्च करके शीश महल बनवाने आदि के अनेक आरोप लगे। बावजूद इसके पूर्व मुख्यमंत्री के नाते मिले सरकारी आवास में उनपर फिर से लाखों रुपये लगाने का आरोप लगा। सत्ता ने उन्हें आम आदमी से खास आदमी बना दिया। सुरक्षा के भारी ताम-झाम से उनकी लोगों से दूरी बढ़ी और जिस वीआईपी कल्चर का विरोध करके राजनीति में आए उसी कल्चर के प्रतीक बन गए। शराब घोटाले में कई बड़े नेताओं के जेल जाने के बाद खुद केजरीवाल जेल गए। वर्ष 2024 का लोकसभा चुनाव और 2015 के विधानसभा चुनाव में केजरीवाल ने अपने को प्रताड़ित करने का मुद्दा बनाने की असफल कोशिश की। 70 सदस्यों वाली विधानसभा चुनाव में भाजपा 48 सीटों के साथ 27 साल बाद सत्ता में लौटी। आम आदमी पार्टी को 22 सीटें मिली। मतों का अंतर केवल दो फीसदी का था। पहली बार आम आदमी पार्टी 2022 के दिल्ली नगर निगम चुनाव जीती थी। उसे 250 में से 134 सीटें मिली थी। भाजपा को 104 सीटें मिली थी। केन्द्र में भाजपा की सरकार होने का लाभ उसे मिलता रहा।

सरकारी साधारण बीमा कंपनियां : पूंजी की संजीवनी या स्थायी समाधान की तलाश?

चार सरकारी साधारण बीमा कंपनियां— नेशनल इंश्योरेंस कंपनी, न्यू इंडिया एश्योरेंस, ओरिएंटल इंश्योरेंस और यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस- आज भी देश के बीमा बाजार का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। वर्ष 1972 में साधारण बीमा व्यवसाय के राष्ट्रीयकरण के बाद 107 बीमा कंपनियों को इन चार प्रमुख कंपनियों में समाहित किया गया था।

रावेल पुष्प

भारत में सार्वजनिक क्षेत्र के साधारण बीमा व्यवसाय के सामने खड़ा संकट अब केवल कुछ सरकारी कंपनियों के लाभ-हानि का विषय नहीं रह गया है। यह प्रश्न करदाता के धन, करोड़ों पॉलिसीधारकों के हित, सार्वजनिक क्षेत्र की भूमिका और देश की वित्तीय स्थिरता से जुड़ गया है। चार सरकारी साधारण बीमा कंपनियां– नेशनल इंश्योरेंस कंपनी, न्यू इंडिया एश्योरेंस, ओरिएंटल इंश्योरेंस और यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस- आज भी देश के बीमा बाजार का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। वर्ष 1972 में साधारण बीमा व्यवसाय के राष्ट्रीयकरण के बाद 107 बीमा कंपनियों को इन चार प्रमुख कंपनियों में समाहित किया गया था। समस्या यह है कि चारों कंपनियों की वित्तीय स्थिति एक जैसी नहीं है। न्यू इंडिया एश्योरेंस अपेक्षाकृत मजबूत स्थिति में है, जबकि नेशनल, ओरिएंटल और यूनाइटेड इंडिया लंबे समय से सोलवेंसी की चुनौती से जूझ रही हैं। वित्त वर्ष 2025-26 में न्यू इंडिया एश्योरेंस ने लगभग ?1,384 करोड़ का शुद्ध लाभ कमाया, जबकि यूनाइटेड इंडिया को लगभग ?4,839 करोड़, ओरिएंटल इंश्योरेंस को लगभग ?4,061 करोड़ और नेशनल इंश्योरेंस को लगभग ?2,534 करोड़ का घाटा हुआ। तीनों कंपनियों का संयुक्त घाटा ?11,400 करोड़ से अधिक रहा। स्थिति की गंभीरता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि 31 मार्च 2026 को नेशनल इंश्योरेंस का सोलवेंसी रेशियो लगभग -1.10, ओरिएंटल का -1.60 और यूनाइटेड इंडिया का -1.40 था। इसके विपरीत न्यू इंडिया एश्योरेंस का रेशियो 1.84 था।

प्रश्न है कि सोलवेंसी मार्जिन आखिर इतना महत्वपूर्ण क्यों है। बीमा कंपनी के लिए केवल लाभ कमाना पर्याप्त नहीं है। उसका सबसे महत्वपूर्ण दायित्व भविष्य में पॉलिसीधारकों के दावों का भुगतान करना है। इसलिए उसके पास संभावित जोखिमों और अप्रत्याशित दावों को झेलने के लिए पर्याप्त पूंजी होनी चाहिए। सरकार की बीमा नियामक संस्था- इरडा के फ्रेम में बीमाकर्ता के लिए सोलवेंशी रेशियो 1.50 गुना रखा गया है। इसका अर्थ है कि बीमाकर्ता को अपने जोखिमों के मुकाबले पर्याप्त अर्थ भंडार बनाए रखना होगा। बीमा नियामक संस्था स्वयं स्पष्ट करती हैं कि बीमाकर्ता को हर समय 1.50 का सोलवेंशी मार्जिन बनाए रखना चाहिए और आवश्यकता पड़ने पर शेयर दाताओं को अतिरिक्त पूंजी उपलब्ध करानी होती है। इसलिए किसी कंपनी का अकांउट लाभ और उसकी सोलवेंसी दो अलग-अलग बातें हैं। लाभ आज की कमाई बताती है; जबकि सोलवेंसी भविष्य की देनदारियों को पूरा करने की क्षमता दर्शाती है। यही अंतर सरकारी साधारण बीमा कंपनियों की वर्तमान समस्या को समझने की कुंजी है। अब हम ये देखें कि क्या सरकार ने पहले भी इन कम्पनियों को बचाने के लिए पूंजी डाली? उत्तर यही है कि डाली है– और पर्याप्त मात्रा में डाली है। केंद्र सरकार ने 2020 में नेशनल, ओरिएंटल और यूनाइटेड इंडिया में कुल ?12,450 करोड़ की पूंजी डालने को मंजूरी दी थी।

सरकार ने स्वयं कहा था कि इस पूंजी का उद्देश्य उनकी वित्तीय एवं सोलवेंसी स्थिति सुधारना, जोखिम व्यवस्था मजबूत करना और लाभजनक तरक्की को बढ़ावा देना है। उसी समय सरकार ने यह भी स्पष्ट किया था कि तत्कालीन परिस्थितियों में प्रस्तावित एकीकरण को रोककर कंपनियों की सोलवेंसी और लाभजनक तरक्की पर ध्यान दिया जाएगा। यहीं से एक महत्वपूर्ण सवाल उठता है– यदि पूंजी डालने के बाद कुछ वर्षों में तीनों कंपनियां फिर से उसी सोलवेंसी संकट में पहुंच जाती हैं, तो क्या केवल और पूंजी डालना स्थायी समाधान हो सकता है? इसका उत्तर उतना सहज नहीं है। पूंजी किसी बीमार बीमा कंपनी को समय दे सकती है; लेकिन यदि अंडरराइटिंग व्यवसाय लगातार घाटे में है, मूल्य कमजोर है, दावों का दबाव अधिक है और व्यवस्थागत खर्च ऊँचा है, तो नई पूंजी भी धीरे-धीरे समाप्त हो सकती है। अर्थात ह्लकैपिटल कंफ्यूजनह्वआवश्यक हो सकता है, लेकिन वह स्ट्रक्चरल रिफार्म का विकल्प नहीं है। वर्ष 2018 में सरकार ने इन कम्पनियों के एकीकरण का रास्ता क्यों चुना था? यह तथ्य विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि सरकार स्वयं एक समय इन साधारण बीमा कंपनियों के एकीकरण को समाधान का हिस्सा मान चुकी है। वर्ष 2018 के बजट में सरकार ने नेशनल इंश्योरेंस, युनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस और ओरिएंटल इंश्योरेंस को एकीकृत कर एक बीमा कंपनी बनाने की घोषणा की थी। क्या उस समय एकीकरण को स्थगित करना सही रणनीति थी या अब परिस्थितियां सरकार को उसी विकल्प पर पुनर्विचार के लिए मजबूर कर रही हैं? चार सरकारी कंपनियां- एक ही मालिक, फिर भी आपस में प्रतिस्पर्धा यह समस्या का एक कम चर्चित लेकिन अत्यंत महत्वपूर्ण पहलू है। चारों कंपनियों का स्वामित्व सरकार के पास है, लेकिन वे बाजार में एक-दूसरे से भी गलांकाट प्रतिस्पर्धा करती हैं। यदि यह प्रतिस्पर्धा स्वस्थ मूल्य और बेहतर सेवा के आधार पर हो तो इसका लाभ उपभोक्ता को मिल सकता है, लेकिन यदि मार्केट शेयर यानि बीमा बाजार में हिस्सा हासिल करने के लिए बीमा शुल्क को अनावश्यक रूप से कम किया जाए, तो इसका परिणाम अंडरराइटिंग लॉस के रूप में सामने आएगा ही। आज के संकट की व्याख्या करते हुए उद्योग विश्लेषणों में कमजोर मूल्य अनुशासन, खराब व्यवसाय मेल, लगातार ऊंचे दावे और ज्यादा बीमा प्राप्त करने के लिए अधिक छूट को प्रमुख कारणों में गिना गया है। इसका अर्थ है कि समस्या केवल पूंजी की नहीं, व्यवसाय के तौर तरीकों की भी है। रिजर्व बैंक की चिंता क्यों महत्वपूर्ण है? अब यह विषय केवल वित्त मंत्रालय या इरडा तक सीमित नहीं है। रिजर्व बैंक की फाइनेंशियल स्टैबिलिटी रिपोर्ट में तीन सरकारी साधारण बीमा कंपनियों की सोलवेंसी स्थिति पर चिंता सामने आई है। उपलब्ध रिपोर्टिंग के अनुसार वित्त वर्ष 2025 और वित्त वर्ष 2026 की प्रत्येक तिमाही में इन तीनों की सोलवेंसी रेगुलेटरी थ्रेशहोल्ड 1.5 से नीचे रही। इसका महत्व इसलिए बढ़ जाता है क्योंकि बीमा सेक्टर वित्तीय व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा है। किसी बड़ी बीमा कंपनी की वित्तीय कमजोरी अंततः पालिसी प्राप्तकर्ता, देनदार, शेयरहोल्डर और सरकारी खजाने पर असर डाल सकती है। इसलिए सवाल केवल यह नहीं है कि कंपनी को बचाया जाए या नहीं? बल्कि यह है कि उसे किस प्रकार बचाया जाए कि बार-बार टैक्स देने वालों के पैसों की जरूरत न पड़े? इरडा का दृष्टिकोण - कंपनी बड़ी हो या छोटी, सोलवेंसी तो हर हाल में जरूरी इरडा का मुख्य उद्देश्य मालिकाना की बनावट तय करना नहीं, बल्कि बीमा प्राप्तकर्ता की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। नियामक की दृष्टि से चाहे कंपनी सरकारी हो या निजी, उसे पर्याप्त कैपिटल और सोलवेंसी बनाए रखनी ही होगी। इरडा का 1.50 का कन्ट्रोल लेवल सोलवेंसी की जरूरत इसी दृष्टिकोण का हिस्सा है। इसलिए किसी एकीकरण को केवल इसलिए उचित नहीं माना जा सकता कि उससे कंपनी बहुत बड़ी हो जाएगी।वर्ष 2018 में सरकार का प्रस्ताव भी तीन कंपनियों को मिलाकर एक कम्पनी बनाने का था और उसने एकीकरण से इन्फ्रास्ट्रक्चर के बेहतर उपयोग तथा सोल्वेंसी सुधार की संभावना बताई थी। लेकिन एकीकरण के विरुद्ध भी गंभीर तर्क हैं।

मध्य प्रदेश के ऐतिहासिक मतंगेश्वर मंदिर में साक्षात महादेव

वैसे तो मध्य प्रदेश में कई फेमस मंदिर हैं, जिनकी अपनी-अपनी खासियत है। लेकिन आज हम आपको एक ऐसे मंदिर के बारे में बताने जा रहे हैं, जोकि साधारण नहीं है। मध्य प्रदेश में स्थित इस मंदिर की खासियत जानकर आप भी हैरान रह जाएंगी। यहां फेमस शिव मंदिर में एक ऐसा शिवलिंग है, जो हर साल 1 इंच बढ़ता है। ऐसे में अगर आप भी इस रहस्यमयी मंदिर के बारे में जानना चाहती हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। हम आपको इस मंदिर के बारे में बताने जा रहे हैं।

एमपी का मतंगेश्वर महादेव मंदिर

मध्य प्रदेश के खुजराहो में एक फेमस शिव मंदिर है। यह कोई साधारण मंदिर नहीं है। बल्कि यहां स्थिति महादेव मंदिर में स्थापित शिवलिंग हर साल थोड़ा-थोड़ा बढ़ता है। यहां मंदिर में मौजूद पीतल-कास्य से ढका शिवलिंग करीब 9 फीट ऊंचा है। महादेव मंदिर की बनावट ऊंचे चबूतरे जैसी है। इस मंदिर के ऊपर बने ऊंचे-ऊंचे 'शिखर' कैलाश पर्वत का प्रतीक माने जाते हैं।

10वीं शताब्दी में हुआ था निर्माण

यूनेस्को के मुताबिक मतंगेश्वर महादेव मंदिर का निर्माण 10वीं शताब्दी में हुआ था। इसको चंदेल वंश के राजा हर्षदेव के शासनकाल में बनवाया गया था। यह खुजराहो के सबसे पुराने मंदिरों में से एक है। यहां पर महाशिवरात्रि के मौके पर 3 दिनों तक भव्य मेला लगता है। यहां पर इस दौरान भोलेनाथ का जलाभिषेक और विशेष श्रृंगार होता है।

कब जाना रहेगा सही

अगर आप भी मंदिर दर्शन का प्लान बना रही हैं। तो सुबह सबसे पहले मतंगेश्वर मंदिर में दर्शन करें। फिर टिकट लेकर आसपास के ऐतिहासिक मंदिरों को एक्सप्लोर करें। यहां पर जाने का बेस्ट समय अक्तूबर से मार्च तक का है। वहीं सावन में भी यहां का मौसम सुहावना रहता है। मंदिर और ऐतिहासिक जगहों के अलावा आसपास आपको लोकल वेंडर्स और छोटे कैफे से आप बुंदेलखंडी खाने का लुत्फ उठा सकती हैं।

कैसे पहुंचे मतंगेश्वर महादेव मंदिर

अगर आप भी खुजराहो के मतंगेश्वर महादेव मंदिर जाने का मन बना रही हैं। तो आपको अपने किसी भी नजदीकी एयरपोर्ट से खुजराहो एयरपोर्ट पहुंचना होगा। अगर आप ट्रेन से जाती हैं, तो खुजराहो रेलवे स्टेशन तक जाएं। स्टेशन से पर्सनल कैब या ऑटो-रिक्शा करके मंदिर पहुंच सकती हैं। इसके अलावा सड़ग मार्ग से भी आप यहां तक आ सकती हैं।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**
email : metrorays.ranchi@gmail.com

राम मंदिर चंदा मामले में पारदर्शिता और खान-खनिज विधेयक पर कांग्रेस का विरोध

संवाददाता

साहिबगंज:झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के निर्देश पर आज साहेबगंज जिला कांग्रेस कार्यालय में प्रेस वार्ता आयोजित की गई।प्रेस वार्ता को झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के महासचिव सह साहिबगंज जिला कांग्रेस कमिटी के प्रभारी डॉ मुन्नाम संजय ने संबोधित किया।खान एवं खनिज विधेयक पर विरोध करते हुए डॉ. मुन्नाम संजय ने कहा कि झारखंड की पहचान और अर्थव्यवस्था में खनिज संपदा की महत्वपूर्ण भूमिका है।राज्य के खनिज संसाधनों पर राज्य के हितों और अधिकारों की रक्षा करना कांग्रेस की प्राथमिकता है।उन्होंने कहा कि प्रस्तावित संशोधन के माध्यम से यदि राज्यों के अधिकारों को कमजोर करने अथवा खनिज संपदा से जुड़े निर्णयों में राज्यों की भूमिका को सीमित करने का प्रयास किया जाता है,तो कांग्रेस इसका लोकतांत्रिक तरीके से विरोध करेगी।उन्होंने कहा कि झारखंड लंबे समय से देश के औद्योगिक विकास में अपने प्राकृतिक संसाधनों के माध्यम से महत्वपूर्ण योगदान देता रहा है। इसके बावजूद खनिज संपदा वाले क्षेत्रों के लोगों को विस्थापन,प्रदूषण,रोजगार और बुनियादी सुविधाओं जैसी अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ता है।इसलिए खनिज संसाधनों से होने वाले लाभ में राज्य और स्थानीय जनता के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता मिलनी चाहिए।डॉ.संजय ने कहा कि कांग्रेस पार्टी झारखंड के जल, जंगल, जमीन और खनिज संपदा की रक्षा के लिए लगातार आवाज उठाती रही है।उन्होंने केंद्र सरकार से मांग की कि ऐसे किसी भी कानून या संशोधन को लागू करने से पहले राज्य सरकारों, जनप्रतिनिधियों,प्रभावित क्षेत्रों के लोगों तथा संबंधित हितधारकों से व्यापक विचार-विमर्श किया जाए।डॉ मुन्नाम संजय ने अयोध्या राम मंदिर निर्माण के नाम पर एकत्र किए गए चंदे में कथित अनियमितताओं पर सवाल उठाते हुए कहा कि भगवान श्रीराम करोड़ों लोगों की आस्था के केंद्र हैं।देशभर के श्रद्धालुओं ने अपनी श्रद्धा और मेहनत की कमाई से मंदिर निर्माण के लिए योगदान दिया है। ऐसे में चंदे के संबंध में उठे सवालों का निष्पक्ष स्वतंत्र और पारदर्शी तरीके से जवाब मिलना जरूरी है।उन्होंने कहा कि राम मंदिर के नाम पर प्राप्त चंदे और चढ़ावे का पूरा हिसाब सार्वजनिक किया जाना चाहिए तथा जहां भी अनियमितता के आरोप हैं,उनकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।उन्होंने कहा कि आस्था से जुड़े धन के मामले में किसी प्रकार की पारदर्शिता की कमी करोड़ों श्रद्धालुओं के विश्वास को प्रभावित करती है।डॉ.संजय ने कहा कि राम मंदिर चंदा मामले में पारदर्शिता और जवाबदेही तथा खान-खनिज कानून में झारखंड के अधिकारों की रक्षा-दोनों ही जनता से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दे हैं।कांग्रेस इन मुद्दों को लेकर जनता के बीच जाएगी और लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज बुलंद करेगी।प्रेस वार्ता के बाद रक्फ़ 2026 को लेकर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के महासचिव सह साहेबगंज जिला प्रभारी डॉ.मुन्नाम संजय एवं जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष बरकतुल्लाह खान ने कांग्रेस कार्यकताओं को रक्फ़ की प्रक्रिया, मतदाता सूची के पुनरीक्षण तथा दावा एवं आपत्ति से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां विस्तारपूर्वक दीं।दोनों नेताओं ने कार्यकताओं से बूथ स्तर पर सक्रिय होकर मतदाताओं की सहायता करने और पात्र मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में सुनिश्चित कराने का आह्वान किया।प्रशिक्षण के दौरान कार्यकताओं के सवालों का भी जवाब दिया गया।प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष, जिला महासचिव,जिला सचिव,प्रखंड अध्यक्ष और कई कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

गुम मोबाइल की बरामदगी में पुलिस की कार्रवाई तेज पांच थाना क्षेत्रों से 41 मोबाइल बरामद

संवाददाता

साहिबगंज : चोरी हुए मोबाइल फोन की बरामदगी को लेकर साहिबगंज पुलिस की ओर से लगातार अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर तकनीकी शाखा की मदद से विभिन्न थाना क्षेत्रों से गुम हुए मोबाइल फोन को ट्रेस कर बरामद किया जा रहा है। इसी क्रम में नगर थाना, जिरवाबाड़ी, मिजाचौकी, मुफस्सिल एवं बोरियो थाना क्षेत्र से कुल 41 मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं।बरामद मोबाइल में नगर थाना क्षेत्र से सातजिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र से नौ मिजाचौकी से पांच मुफस्सिल से 10 तथा बोरियो थाना क्षेत्र से 10 मोबाइल फोन शामिल हैं। पुलिस द्वारा बरामद किए गए मोबाइल फोन को उनके वास्तविक धारकों को सौंपने की प्रक्रिया पूरी की जा रही है। मोबाइल वापस मिलने पर धारकों ने पुलिस की इस कार्रवाई की सराहना की।इस संबंध में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सुशील कुमार ने बताया कि पुलिस जिले में हर तरह के मामलों को गंभीरता से लेकर कार्रवाई कर रही है। विशेष रूप से मोबाइल फोन के गुम हो या चोरी होने से जुड़े मामलों को गंभीरता से लिया गया है। ऐसे मामलों में तकनीकी शाखा की सहायता से मोबाइल फोन को ट्रेस किया जा रहा है और बरामदगी के बाद त्वरित गति से संबंधित धारक को उनका मोबाइल उपलब्ध कराया जा रहा है।उन्होंने कहा कि लोगों की शिकायतों के समाधान को लेकर पुलिस लगातार सक्रिय है। मोबाइल फोन गुम हो या चोरी होने की सूचना मिलने के बाद आवश्यक प्रक्रिया के तहत तकनीकी माध्यम से उसकी तलाश की जाती है। पुलिस का प्रयास है कि बरामद किए गए मोबाइल को जल्द से जल्द उसके वास्तविक मालिक तक पहुंचाया जाए।पुलिस अधिकारियों के अनुसार मोबाइल बरामदगी का यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। लोगों से भी अपील की गई है कि मोबाइल फोन गुम या चोरी होने की स्थिति में तत्काल इसकी सूचना संबंधित थाना को दें। ताकि पुलिस तकनीकी माध्यम से मोबाइल की तलाश शुरू कर सके।इस मौके पर मुख्य रूप से नगर थाना प्रभारी अमित कुमार गुप्ता, मिजाचौकी थाना प्रभारी रूपेश यादव, बोरियो थाना प्रभारी रोहित कुमार, जिरवाबाड़ी थाना प्रभारी शशि सिंह सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी एवं कर्मी मौजूद थे।

स्थायी लोक अदालत की भूमिका एवं कार्यप्रणाली पर विधिक जागरूकता शिविर आयोजित

संवाददाता

साहिबगंज: झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निदेर्शानुसार प्रधान जिला सत्र न्यायाधीश सह-अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहिबगंज श्री अखिल कुमार के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहिबगंज में स्थायी लोक अदालत की भूमिका व कार्यप्रणाली विषय पर विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में स्थायी लोक अदालत के अध्यक्ष राकेश मिश्रा व जिला विधिक सेवा प्राधिकार साहिबगंज के सचिव विश्वनाथ भगत की उपस्थिति में आम नागरिकों को स्थायी लोक अदालत की भूमिका अधिकारिता व कार्यप्रणाली के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। शिविर का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों कोसार्वजनिक उपयोगिता सेवाओं से संबंधित विवादों के समाधान के लिए उपलब्ध कानूनी उपायों तथा स्थायी लोक अदालत के माध्यम से विवादों के सरल त्वरित व कम खचीर्ले समाधान के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम के दौरान नागरिकों को बिजली जलापूर्ति स्वच्छता तथा अन्य सार्वजनिक उपयोगिता सेवाओं से संबंधित मामलों में उनके अधिकारों एवं उपलब्ध विधिक उपायों की जानकारी दी गई। वक्ताओं ने बताया कि सार्वजनिक उपयोगिता सेवाओं से संबंधित पात्र विवादों के समाधान के लिए स्थायी लोक अदालत एक महत्वपूर्ण वैकल्पिक विवाद समाधान मंच है।स्थायी लोक अदालत के अध्यक्ष श्री राकेश मिश्रा ने स्थायी लोक अदालत की भूमिका, अधिकारिता एवं कार्यप्रणाली पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए बताया कि सार्वजनिक उपयोगिता सेवाओं से संबंधित विवादों के समाधान के लिए नागरिक स्थायी लोक अदालत का लाभ उठा सकते हैं। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य विवादों का सौहार्दपूर्ण एवं त्वरित समाधान सुनिश्चित करते हुए आम लोगों को सरल न्याय उपलब्ध कराना है।वहीं डीएलएसए सचिव श्री विश्वनाथ भगत ने कहा कि जिला विधिक सेवा प्राधिकार का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय की पहुंच सुनिश्चित करना है। उन्होंने आम नागरिकों से अपील की कि किसी भी विधिक समस्या या विवाद की स्थिति में वे विधिक सेवा संस्थाओं से संपर्क करें तथा उपलब्ध निःशुल्क विधिक सहायता एवं सलाह का लाभ उठाएं। लोगों को यह बताया गया कि सार्वजनिक उपयोगिता सेवाओं से संबंधित पात्र विवादों के समाधान के लिए स्थायी लोक अदालत में किस प्रकार संपर्क किया जा सकता है।वक्ताओं ने कहा कि स्थायी लोक अदालत न्याय को आमजन के लिए सुलभ त्वरित और कम खचीर्ला बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

गायत्री परिवार की महिला मंडल के द्वारा रुद्राभिषेक की संपूर्ण तैयारी

संवाददाता

साहिबगंज:शहर के चौधरी कॉलोनी स्थित गायत्री शक्तिपीठ में श्रवण मास की पावन अवसर पर बुधवार को महा रुद्राभिषेक कार्यक्रम आयोजित किया गया है।बताया गया की 12 शिवलिंग स्थापित कर गंगा जलार्पण किया जाएगा कार्यक्रम की तैयारी को लेकर मंगलवार को गायत्री शक्तिपीठ में कार्यकताओं की एक बैठक हुई मौके पर शक्तिपीठ की व्यवस्थापक हरिहर प्रसाद मंडल ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस बार भी श्रावण मास के पावन अवसर पर गायत्री शक्तिपीठ में 26 अगस्त को महा रुद्राभिषेक किया जाएगा।जिसमें सैकड़ो से भालू शामिल होंगे शक्तिपीठ के श्री राम सभागार में 12 शिवलिंग स्थापित किया जाएगा और लौकिक एवं वैदिक रीति से रुद्राभिषेक किया जाएगा।उन्होंने बताया कि गायत्री परिवार की महिला मंडल के द्वारा रुद्राभिषेक की संपूर्ण तैयारी कर ली गई है तथा शहर में सघन संपर्क अभियान चलाया गया है।बैठक में व्यवस्थापक हरिहर प्रसाद मंडल, गायत्री परिवार ट्रस्ट के मुख्य प्रबंध ट्रस्टी संजीत कुमार चौधरी,कोषाध्यक्ष कल्याण श्रीवास्तव जिला समन्वयक शिव शंकर निराला,पुरोहित राजेंद्र प्रसाद,सरिता पोद्दार,करुणामई भारती आदि शामिल थे।

गौतम बुद्ध कॉलेज में फाइनेंशियल एजुकेशन पर वर्कशॉप

हजारीबाग : गौतम बुद्ध शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय मुकुंदगंज, हजारीबाग में मंगलवार को प्राचार्य डॉ बसुंधरा कुमारी की देखरेख में फाइनेंशियल एजुकेशन पर वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इसमें झारखंड के लिए सेबी-स्मार्ट और एनसीएफई सर्टिफाइड फाइनेंशियल एजुकेशन ट्रेनर डॉ सुलेखा पूर्णिमा ने शिक्षकों और प्रशिक्षुओं को बताया कि फाइनेंशियल लिटरेसी जरूरी लाइफ स्किल है। हर व्यक्ति को, चाहे उसकी काबिलियत कुछ भी हो, अपने फाइनेंस को गोपनीय और स्वतंत्र तरीके से मैनेज करने के लिए जरूरी नॉलेज और टूल्स के बारे में जानकारी होनी चाहिए। वर्कशॉप के जरिए आइडेंटिटी थेफ्ट, स्कैमर्स को पहचानना, फ्रॉड करने वालों के आम तरीकों और खुद को कैसे बचाएं, इस बारे में जानकारी दी गई। बैंकिंग सर्विस और डिजिटल फाइनेंशियल टूल्स को समझने के आसान तरीके बताए गए। वहीं बजट बनाने, बचत करने और जिम्मेदारी से खर्च करने के बारे में प्रैक्टिकल गाइडेंस दिए गए।

सकरीगली में यदुवंशी समाज ने मनाया खीर-लिट्टी उत्सव

भगवान श्रीकृष्ण और गोवर्धन पूजा की परंपरा से जुड़ा है उत्सव समाज की एकजुटता का दिया संदेश

संवाददाता

साहिबगंज:जिला मुख्यालय से 8 किलोमीटर दूर स्थित सकरीगली समदा में यदुवंशी समाज की ओर से पारंपरिक खीर-लिट्टी उत्सव श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया।इस अवसर पर समाज के लोगों ने भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना कर सुख शांति,समृद्धि और समाज की एकता की कामना की।पूजा के बाद खीर और लिट्टी का प्रसाद तैयार कर श्रद्धालुओं के बीच वितरित किया गया।कार्यक्रम के आयोजक विमल यादव ने बताया कि यदुवंशी समाज के लिए यह आयोजन केवल खान-पान से जुड़ा उत्सव नहीं,बल्कि भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति,प्रकृति के प्रति सम्मान और सामाजिक एकजुटता का प्रतीक माना जाता है।इस दौरान लोगों ने भगवान श्रीकृष्ण के जयकारे लगाए और पारंपरिक तरीके से पूजा-अर्चना की।मौके पर विमल यादव,लक्ष्मी यादव,मोतीलाल यादव,विकास यादव,रामभुवन यादव,संजय यादव,अशोक यादव,हरिद्वार यादव,राजकिशोर यादव,चंदन यादव,गौरीशंकर यादव समेत कई यदुवंशी परिवार के लोग मौजूद थे।

भगवान श्रीकृष्ण से क्यों जुड़ा है यह उत्सव?

यदुवंशी समाज की कई क्षेत्रों में प्रचलित परंपरा भगवान श्रीकृष्ण और गोवर्धन पूजा से जुड़ी मानी जाती है।धार्मिक मान्यता के अनुसार, भगवान श्रीकृष्ण ने ब्रजवासियों को इंद्र पूजा के बजाय गोवर्धन पर्वत की पूजा करने का संदेश दिया था।श्रीकृष्ण ने समझाया था कि गोवर्धन पर्वत,प्रकृति,गौवंश और खेती-किसानी ब्रजवासियों के जीवन का आधार हैं।इसी प्रसंग को प्रकृति,पशुधन और सामुदायिक जीवन के सम्मान से जोड़कर देखा जाता है।यदुवंशी समाज के कुछ क्षेत्रों में इसी धार्मिक-सांस्कृतिक परंपरा के तहत विशेष पूजा के साथ लिट्टी और खीर का प्रसाद चढ़ाने तथा बांटने की परंपरा भी देखने को मिलती है।खीर को शुभ एवं प्रसाद स्वरूप भोजन माना जाता है,जबकि लिट्टी बिहार-झारखंड और आसपास के क्षेत्रों की पारंपरिक खाद्य संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा है।इसलिए खीर और लिट्टी का सामूहिक प्रसाद स्थानीय परंपरा और धार्मिक आस्था, दोनों को जोड़ता है।नई पीढ़ी को परंपरा से जोड़ने का प्रयास सकरीगली में आयोजित इस उत्सव का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य समाज की पारंपरिक संस्कृति और धार्मिक मान्यताओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाना भी रहा।आयोजन के दौरान बुजुर्गों ने भगवान श्रीकृष्ण की शिक्षाओं, यदुवंशी समाज की परंपराओं तथा आपसी भाईचारे के महत्व पर चर्चा की।समाज के लोगों ने कहा कि ऐसे सामूहिक आयोजन लोगों को एक-दूसरे के करीब लाते हैं और सामाजिक एकता को मजबूत करते हैं।धार्मिक आस्था के साथ-साथ यह उत्सव अपनी लोक-संस्कृति, पारंपरिक खान-पान और सामाजिक मेल-जोल को जीवित रखने का माध्यम भी है।कार्यक्रम के अंत में श्रद्धालुओं के बीच खीर-लिट्टी का प्रसाद वितरित किया गया।लोगों ने भगवान श्रीकृष्ण से समाज और क्षेत्र में सुख-शांति,समृद्धि तथा आपसी भाईचारे की कामना की।उत्सव के दौरान पूरा माहौल ॡजय श्रीकृष्णॡ के जयघोष से भक्तिमय बना रहा।

न्यूज IN ब्रीफ

उधवा में 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत विशेष जागरूकता कार्यक्रम

साहिबगंज :बेटियों को सुरक्षित वातावरण देने, उनकी शिक्षा सुनिश्चित करने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से उधवा में 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला समाज कल्याण पदाधिकारी संजय कुमार दास के निदेर्शानुसार आयोजित इस कार्यक्रम में बच्चों को उनके अधिकारों और सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया।यह कार्यक्रम उधवा के कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय मे आयोजित किया गया जिसमें बालिकाओं के सशक्तिकरण पर विशेष जोर दिया गया।आत्मरक्षा और आत्मनिर्भरता का दिया गया संदेश कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संरक्षण पदाधिकारी चंदा कुमारी ने कहा कि यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य की प्रत्येक बच्चे को सही जानकारी होनी चाहिए, सुरक्षित माहौल, बेहतर शिक्षा उत्तम स्वास्थ्य और मजबूत संरक्षण मिलना उनका मौलिक अधिकार है। उन्होंने समाज के हर नागरिक से अपील की कि वे बच्चों के हितों की रक्षा में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को विपरीत परिस्थितियों में साहस के साथ खड़े होने आत्मनिर्भर बनने और आत्मरक्षा के कौशल सीखने के लिए प्रेरित किया गया।महत्वपूर्ण कानूनों और सरकारी योजनाओं की दी गई विस्तृत जानकारी इस सत्र के दौरान छात्राओं को गंभीर और संवेदनशील विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई। जिसमें मुख्य रूप से शामिल थे।

सुरक्षा और कानून

गुड टच-बैड टच की समझ, बाल विवाह और बाल श्रम का विरोध यौन शोषण से बचाव पोक्सो एक्ट और किशोर न्याय अधिनियम।

कल्याणकारी योजनाएं

सावित्रीबाई फूले किशोरी समृद्धि योजना, स्पॉन्सरशिप, फोस्टर केयर, आफ्टर केयर और दत्तक ग्रहण की प्रक्रिया। सहायता केंद्र सखी वन स्टॉप सेंटर और आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर्स की जानकारी, ताकि किसी भी अप्रिय घटना की सूचना तुरंत संबंधित विभागों तक पहुंचाई जा सके।

? माहवारी स्वच्छता पर भी किया गया जागरूक

स्वास्थ्य के प्रति सजगता बढ़ाते हुए बच्चियों को माहवारी स्वच्छता प्रबंधन के बारे में भी जागरूक किया गया और झिझक तोड़कर स्वच्छता अपनाने की सलाह दी गई। इसके साथ ही सेनेटरी पैड का वितरण किया गया और युवाओ को नशा मुक्ति के प्रति भी संकल्प दिलाया गया। इस भव्य आयोजन को सफल बनाने में जिला कार्यक्रम पदाधिकारी मोहम्मद खालिद और चाइल्ड लाइन से मोहम्मद इकबाल का महत्वपूर्ण योगदान रहा। मौके पर विद्यालय के शिक्षक,शिक्षिकाएं एवं बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित थीं।

नगर पंचायत कार्यालय में अनमैप्ड मतदाताओं की सुनवाई

साहिबगंज/बरहरवा : मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर के तहत दूसरे दिन भी बरहरवा प्रखंड सह अंचल कार्यालय और नगर पंचायत कार्यालय में अनमैप्ड मतदाताओं की सुनवाई हुई।दोनों कार्यालयों में सुबह से ही मतदाताओं की भीड़ जुटने लगी नोटिस व आवश्यक दस्तावेज लेकर पहुंचे मतदाताओं ने निर्वाचन कर्मियों के समक्ष अपने कागजात प्रस्तुत किये। कर्मियों ने दस्तावेजों की जांच कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। अधिकारियों ने की दावा-आपत्तियों पर सुनवाई नगर पंचायत कार्यालय में पाकुड़ विधानसभा क्षेत्र के निवार्ची पदाधिकारी सह अपर समाहर्ता पाकुड़ जेम्स सुरीन बीडीओ कक्ष में एईआरओ सह बीडीओ सन्नी कुमार दास और सीओ कार्यालय में अंचलाधिकारी अनोज कुमार ने दर्जनों अनमैप्ड मतदाताओं की दावा-आपत्तियों की सुनवाई की अधिकारियों ने मतदाताओं द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों की जांच की और आवश्यक प्रक्रिया की जानकारी दी।अधिकारियों को सौंपे गये बूथ पाकुड़ विधानसभा क्षेत्र के निवार्ची पदाधिकारी सह अपर समाहर्ता जेम्स सुरीन ने बताया कि एसआईआर के तहत बरहरवा प्रखंड क्षेत्र के सभी 186 बूथों के कुल 27,082 मतदाताओं के कागजात का सत्यापन एवं दावा-आपत्तियों की सुनवाई की जायेगी. इसके लिए बूथवार जिम्मेदारी तय की गयी है।उन्होंने बताया कि बूथ संख्या 1 से 70 तक के 9,321 मतदाताओं की सुनवाई बरहरवा बीडीओ करेंगे. वहीं बूथ संख्या 71 से 127 तक के 8,980 मतदाताओं की सुनवाई बरहरवा अंचलाधिकारी करेंगे।जबकि बूथ संख्या 128 से 186 तक के 8,781 मतदाताओं की सुनवाई स्वयं निवार्ची पदाधिकारी करेंगे।पहले अनमैप्ड, फिर तार्किक विसंगति वाले मतदाता बुलाये जायेंगे निवार्ची पदाधिकारी ने बताया कि फिलहाल अनमैप्ड मतदाताओं को नोटिस देकर सुनवाई के लिए बुलाया गया है. प्रतिदिन करीब 600 मतदाताओं की सुनवाई और उनके दस्तावेजों का सत्यापन किया जा रहा है. इसके बाद तार्किक विसंगति विशुद्धिकरण से संबंधित मतदाताओं को नोटिस जारी कर सुनवाई के लिए बुलाया जायेगा. उन्होंने बताया कि एसआईआर से संबंधित यह प्रक्रिया आगामी 3 अक्टूबर तक चलेगी दस्तावेज जमा करने की अपील उन्होंने मतदाताओं से अपील की कि नोटिस मिलने पर निर्धारित तिथि को संबंधित कार्यालय में पहुंचकर अपने आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करें।ताकि मतदाता सूची में किसी प्रकार की त्रुटि रहने पर उसका समय पर निराकरण किया जा सके.मौके पर अंचल निरीक्षक जितेंद्र टुडू, श्रम पदाधिकारी बासुदेव मिर्धा, कृषि पदाधिकारी चंदन सरकार गौतम कुमार, अरुणा मिंज, सीतामणी किंडो, मीनाक्षी कुमारी सहित अन्य मौजूद थे।

मार्खम कॉलेज के गणित विभाग में विदाई समारोह का आयोजन

हजारीबाग : मार्खम कॉलेज ऑफ कॉमर्स, हजारीबाग के गणित विभाग में चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (सत्र 2022-26) के विद्यार्थियों के लिए विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। विद्यार्थियों ने कॉलेज में बिताए अनुभवों और यादों को साझा किया।कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य प्रो गजेंद्र कुमार सिंह ने की। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय केवल शिक्षा प्राप्त करने का स्थान नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व और भविष्य निर्माण का महत्वपूर्ण केंद्र है। उन्होंने विद्यार्थियों से निरंतर सीखते रहने, मेहनत करने और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विदाई किसी यात्रा का अंत नहीं, बल्कि जीवन के नए अध्याय की शुरूआत है।गणित विभाग के शिक्षक प्रो सुरेंद्र नाथ त्रिपाठी ने कहा कि शिक्षक-विद्यार्थी का संबंध कक्षा तक सीमित नहीं होता। विद्यार्थियों की सफलता ही शिक्षक के लिए सबसे बड़ा सम्मान है। उन्होंने विद्यार्थियों को गणित से विकसित तार्किक एवं विश्लेषणात्मक सोच को जीवन में अपनाने की सलाह दी। साथ ही लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर प्रयास करने और असफलताओं से सीखने की प्रेरणा दी। मौके पर कॉलेज के शिक्षक एवं गणित विभाग के विद्यार्थी उपस्थित थे।

दुधपनिया एकल विद्यालय का निरीक्षण, पंचमुखी शिक्षा की जानकारी दी

बरही : धनबाद भाग के एकल अभियान प्रमुख अशोक कुमार ने हजारीबाग अंचल के अभियान प्रमुख विनोद कुमार के साथ बरही संच के दूधपनिया एकल विद्यालय का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय के बच्चों से संवाद किया और आचार्यों द्वारा दी जा रही शिक्षा के स्तर का मूल्यांकन किया। अभियान प्रमुख ने ग्रामीणों और ग्राम समिति के सदस्यों के साथ बैठक कर एकल अभियान के सिद्धांतों और उद्देश्यों की जानकारी दी और ग्रामीणों से सहयोग की अपेक्षा की। अभियान प्रमुख ने बताया कि वनवासी और दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वावलंबन और संस्कार का दीप जलाना है। एकल अभियान पंचमुखी शिक्षा के पांच मापदंडों पर काम करता है जिसमें पहला है प्राथमिक शिक्षा, दूसरा है आरोग्य एवं स्वास्थ्य शिक्षा, तीसरा है जागरण शिक्षा, चौथा है संस्कार शिक्षा और पांचवां है ग्राम विकास शिक्षा जिसके तहत जैविक खेती, ग्राम स्वावलंबन और कुटीर उद्योग को बढ़ावा देना है।

प्रकाश राज की 'जगमाए संगीतम' 4 सितंबर को होगी रिलीज

अभिनेता निभाएंगे शास्त्री का किरदार

अभिनेता प्रकाश राज अमेजन प्राइम वीडियो की तेलुगु ओरिजिनल वेब सीरीज 'जगमाए संगीतम' के मेकर्स ने गुरुवार को रिलीज डेट की घोषणा कर दी है। इसमें कर्नाटक म्यूजिक की परंपरा को आज के नए साउंड के साथ खूबसूरती से जोड़ा गया है। इस सीरीज में अभिनेता क्लासिकल कर्नाटक संगीत के एक जाने-माने और समर्पित उस्ताद शास्त्री के रोल में नजर आएंगे। पवित्र मंदिरों वाले शहर वैकुंठपुरम की पृष्ठभूमि पर बनी इस सीरीज में परंपरा, परिवार की विरासत और सालों से छुपे राज दिखाए जाएंगे। प्रकाश राज का किरदार इस सीरीज के म्यूजिक और इमोशनल सफर का केंद्र है। मेकर्स ने इंस्टाग्राम पर पोस्टर शेयर कर बताया कि सीरीज 4 सितंबर से अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होने लगेगी। उन्होंने पोस्टर जारी करते हुए लिखा, 'जब परंपरा मिलती है स्टारडम से तो दो आवाजें अपना सुर ढूंढने की कोशिश करती हैं, सीरीज 'जगमाए संगीतम', 4 सितंबर। प्राइम वीडियो इंडिया के एसवीओडी ओरिजिनल्स के डायरेक्टर और हेड निखिल मधोक ने सीरीज को लेकर कहा, ''जगमाए संगीतम' एक बेहतरीन कहानी है, जो म्यूजिक की इमोशनल ताकत का जश्न मनाती है और साथ ही परिवार, विरासत और खुद को खोजने जैसे यूनिवर्सव थीम को भी दिखाती है।

आयुष्मान ने जालना में बच्चों की सुरक्षा और शिक्षा पर दिया जोर

यूनिसेफ इंडिया के राष्ट्रीय एम्बेसडर आयुष्मान खुराना ने महाराष्ट्र के जालना में सीजनल माइग्रेशन से प्रभावित बच्चों से मुलाकात की और सुरक्षित बचपन, शिक्षा व बाल संरक्षण पर जोर दिया। यूनिसेफ इंडिया के राष्ट्रीय एम्बेसडर आयुष्मान खुराना ने महाराष्ट्र के जालना का दौरा किया, जहां उन्होंने सीजनल माइग्रेशन से प्रभावित बच्चों, किशोरियों, परिवारों और समुदाय के सदस्यों से मुलाकात की।

अब रजनीकांत और धनुष से

भिड़ेंगी यामी गौतम

● आ गई 'नई नवेली' की रिलीज डेट, होगा 'महाक्लैश!

इसी साल यामी गौतम भी अपनी अगली फिल्म लेकर आ रही हैं. जी हां, 'नई नवेली' के लिए मेकर्स ने डेट तय कर ली है. अब एक्ट्रेस की साउथ के दो सुपरस्टार रजनीकांत और धनुष से टक्कर होगी. इस साल कई बड़ी फिल्में रिलीज होने वाली हैं, जिनके लिए मेकर्स अब भी रिलीज डेट फाइनल कर रहे हैं. अब 16 अक्टूबर का दिन यामी गौतम की अगली पिक्चर के लिए कंफर्म किया गया है. जी हां, एक्ट्रेस 'नई नवेली' के साथ फिर से थिएटर्स में लौट रही हैं. यह फिल्म 16 अक्टूबर को आएगी, जिस फैमिली फैंटेसी एंटरटेनर की रिलीज डेट का बीते दिन ऐलान किया गया. इस तस्वीर में यामी गौतम लाल साड़ी में मां दुर्गा की तरह राक्षस का वध करती दिख रही हैं. पर कहानी कुछ मजेदार होनी वाली है. हालांकि, यामी के लिए राह उतनी भी आसान नहीं होगी. क्योंकि 16 अक्टूबर को रजनीकांत और धनुष की फिल्म भी रिलीज हो रही है. तो क्लैश होना तय है. 'नई नवेली' की रिलीज डेट कंफर्म करते हुए यामी गौतम ने कैप्शन में लिखा- 'नई नवेली डायन. इस दशहरा, भारत की अपनी फैंटेसी फैमिली एंटरटेनमेंट के लिए तैयार हो जाइए. सनई नवेली, भाभी डायन है, सिनेमाघरों में 16 अक्टूबर 2026.' इस पिक्चर को बालाजी मोहन ने डायरेक्ट किया है. जबकि, आनंद एल राय प्रोड्यूसर के तौर पर आगे आए हैं. अनाउंसमेंट टीजर में एक मेले का सेटअप दिखाया गया है, जहां यामी के ठीक पीछे एक झूला घूम रहा है. यामी का फिल्म से लुक काफी पसंद किया जा रहा है.

● शाज़ान पदमसी का

सिंगल- रातां कालियां हुआ रिलीज़

माइक्रोफोन के पीछे कदम रखते हुए शाज़ान के लिए यह एक एक्साइटिंग नए चैप्टर की शुरुआत है। शाज़ान के लिए रातां कालियां सिर्फ एक डेब्यू सिंगल नहीं है, बल्कि प्यार को समझने और महसूस करने की एक इमोशनल जर्नी है। गाना उस सफर को बयां करता है, जहां प्यार में भरोसा और सहारे की तलाश से शुरू होकर इंसान धीरे धीरे प्यार के असली और गहरे मायने समझता है। गाने की खूबसूरती इसी बात में है कि प्यार किसी खालीपन को भरने का नाम नहीं, बल्कि उस खास कनेक्शन का नाम है जहां आप खुद को पूरी तरह आज़ाद, सुरक्षित और असली रूप में महसूस कर सकें। अपने म्यूज़िकल डेब्यू पर बात करते हुए शाज़ान पदमसी कहती हैं, म्यूज़िक हमेशा से मेरे लिए एक्सप्रेशन का एक बेहद पर्सनल जरिया रहा है, इसलिए रातां कालियां बनाना मेरे लिए बहुत खास है।

प्यार को लेकर मेरी समझ बदली

यह गाना एक बेहद ईमानदार जगह से आया है और यह दिखाता है कि समय के साथ प्यार को लेकर मेरी समझ कैसे बदली है। अब तक मैं ज्यादातर किसी और की कहानियों का हिस्सा रही हूं। लेकिन रातां कालियां अलग है, क्योंकि यह मेरी अपनी कहानी है, जो सीधे दिल से निकली है।

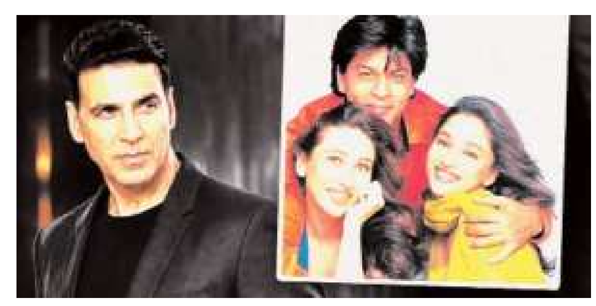

'दिल तो पागल है' में अक्षय कुमार ने फ्री में किया था काम? यश चोपड़ा ने नहीं दिए थे पैसे!

दिल तो पागल है में अक्षय कुमार ने कैमियो रोल किया था. लेकिन कहा जाता है कि एक्टर को फिल्म के लिए कोई फीस नहीं दी गई थी.'दिल तो पागल है' यश चोपड़ा की सबसे यादगार फिल्मों में से एक है. फिल्म में शाहरुख खान, माधुरी दीक्षित और करिश्मा कपूर मुख्य भूमिकाओं में थे. इसके अलावा अक्षय कुमार ने भी फिल्म में कैमियो किया था. उन्होंने माधुरी दीक्षित के बचपन के दोस्त का किरदार निभाया था, जो उनसे प्यार करता है. फिल्म को दर्शकों की तरफ से खूब प्यार मिला था और आज भी ये फिल्म आइकोनिक फिल्मों में गिनी जाती है. लेकिन क्या आप जानते हैं कि ऐसा कहा जाता है कि फिल्म की सफलता के बावजूद अक्षय कुमार को फिल्म में कैमियो के लिए फीस नहीं मिली थी.

जी हां, खबरों के मुताबिक फिल्म में छोटे से रोल के लिए अक्षय को यश चोपड़ा ने कोई भी पैसे नहीं दिए थे.हालांकि, इसके पीछे एक बड़ी वजह थी. क्या थी वो वजह..चलिए इस आर्टिकल में बताते हैं पूरा किस्सा. रिपोर्ट्स के मुताबिक, यश चोपड़ा इस किरदार के लिए पहले जैकी श्रॉफ को कास्ट करना चाहते थे. लेकिन बाद में उन्होंने अक्षय कुमार को चुना, ताकि किरदार को थोड़ा यंग लुक दिया जा सके. बताया जाता है कि फिल्म रिलीज होने के बाद जब अक्षय ने अपनी फीस को लेकर मेकर्स से बात की तो यश चोपड़ा ने उनसे कहा कि उन्हें इस फिल्म का हिस्सा बनने के लिए शुक्रगुजार होना चाहिए. कहा जाता है कि इस पूरे मामले से अक्षय कुमार नाराज हो गए थे और उन्होंने करीब 11 साल तक यशराज फिल्म्स के साथ काम नहीं किया था. दोनों ने बाद में फिल्म 'टशन' के लिए साथ काम किया था. रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया जाता है कि फिल्म के मेकर्स चाहते थे कि अक्षय अपने बाल छोटे करवा लें.

कार्तिक हुए घायल

कबीर खान की अपकमिंग फिल्म की शूटिंग के दौरान कार्तिक आर्यन एक इंटेंस एक्शन सीक्वेंस में घायल हो गए. रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक्टर को घुटने में गंभीर चोट लगी है और फिलहाल उनका इलाज चल रहा है. डॉक्टर उनकी सर्जरी करने की तैयारी में हैं. बॉलीवुड एक्टर कार्तिक आर्यन इन-दिनों कबीर खान की अगली फिल्म की शूटिंग में बिजी हैं. रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक इंटेंस एक्शन सीन शूट करते वक्त कार्तिक को चोट लग गई. जिसके बाद उन्हें तुरंत मेडिकल हेल्प दी गई और शूटिंग भी रोक दी गई है. अब एक्टर कैसे हैं, इसको लेकर उनकी टीम से कोई ऑफिशियल अपडेट सामने नहीं आया है. रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म के आखिरी दो दिनों के शेड्यूल के दौरान एक इंटेंस एक्शन सीक्वेंस शूट होना था. जिसके लिए कार्तिक आर्यन ने एक्शन कोच संग ट्रेनिंग भी की थी. हालांकि जब शूट शुरू हुआ तो एक्टर को गंभीर चोट लग गई. रिपोर्ट्स की मानें तो कार्तिक फिलहाल फोर्टिस राहेजा अस्पताल में एडमिट हैं. डॉक्टर जल्द ही उनके घुटने की सर्जरी कर सकते हैं.

सर्जरी के बाद उन्हें कुछ दिनों तक कंप्लीट रेस्ट की जरूरत होगी और रिकवरी के बाद ही वह दोबारा काम पर लौटेंगे. यानी फिलहाल कार्तिक के बिजी शेड्यूल पर थोड़ा ब्रेक लगना तय है. कार्तिक आर्यन को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 15 अगस्त को राष्ट्रपति भवन में आयोजित 'एट होम रिसेप्शन' के लिए इनवाइट किया था. 80वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर हुए इस खास समारोह में कार्तिक बॉलीवुड से शामिल होने वाले इकलौते अभिनेता थे. 'एट होम रिसेप्शन' में देश की अलग-अलग फील्ड से जुड़े खास लोग शामिल होते हैं, जैसे नेशनल लीडर्स, आर्म्ड फोर्सेज के जवान, स्पोर्ट्स स्टार्स. उन्हें 72वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स में कबीर खान की स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म चंदू चैंपियन में शानदार एक्टिंग के लिए 'बेस्ट एक्टर' का सम्मान भी मिला था.

तमन्ना भाटिया नहीं

रजनीकांत की 'जेलर 2' में Shamna Kassim मचाएगी धमाल

रजनीकांत की 'जेलर 2' पूरी तरह से तैयार है. फिल्म को इसी साल 15 अक्टूबर को रिलीज किया जाएगा. जिसके राह में दो कांटे हैं. एक तरफ से धनुष अपनी पिक्चर ला रहे हैं, तो दूसरी ओर बॉलीवुड फिल्म 'नई नवेली' भी आ रही है. यामी गौतम की पिक्चर की रिलीज डेट को उसी वक्त पर रखा गया है. खैर, 'जेलर 2' से फैन्स को काफी उम्मीदें हैं, क्योंकि पहली फिल्म ने काफी अच्छा परफॉर्म किया था और बॉक्स ऑफिस पर करोड़ों रुपये का कारोबार किया था. जहां पहली फिल्म के सबसे बड़े हाइलाइट्स में से एक तमन्ना भाटिया का डांस नंबर था. अब 'जेलर 2' में भी मेकर्स ने स्पेशल डांस नंबर रखा है. पर इस बार तमन्ना भाटिया नहीं होंगी, उनकी जगह मेकर्स ने Shamna Kassim को कास्ट किया है. सन पिक्चर्स के ऑफिशियल X अकाउंट से मेकर्स ने बीते दिन एक टीजर वीडियो शेयर किया. जिसमें बताया कि फिल्म का पहला गाना- अला बोलेलो आने वाला है. वो लिखते हैं- 'अला बोलेलो' का फीवर 2 दिनों में शुरू होने वाला है.

दलीप ट्रॉफी: आबिद मुश्ताक के नौ विकेट की बदौलत नॉर्थ जोन सेमीफाइनल में

एजेंसी

बेंगलुरु : जम्मू-कश्मीर के बाएं हाथ के स्पिन ऑलराउंडर आबिद मुश्ताक के शानदार नौ विकेट की बदौलत नॉर्थ जोन ने दलीप ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल में रुतुराज गायकवाड़ की कप्तानी वाले वेस्ट जोन को 52 रन से हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली।

लाल मिट्टी की पिच पर स्पिन गेंदबाजों का दबदबा रहा और पूरे मुकाबले में 25 विकेट स्पिनरों ने हासिल किए। आबिद मुश्ताक ने दोनों पारियों में कुल 9 विकेट लेकर नॉर्थ जोन की जीत में अहम भूमिका निभाई। अंतिम दिन वेस्ट जोन को जीत

के लिए 67 रन और नॉर्थ जोन को तीन विकेट की जरूरत थी। मुश्ताक और निशांत सिंधु ने महज 6.3 ओवर में वेस्ट जोन की पारी समेट दी। चौथे दिन मुश्ताक ने मुशीर खान और रुतुराज गायकवाड़ की शतकीय साझेदारी के बाद वेस्ट जोन को झटका दिया था। अंतिम दिन उन्होंने तनुश कोटियन को बोल्ड कर शुरूआत की। इसके बाद तुषार देशपांडे को स्लिप में अब्दुल समद के हाथों कैच कराया। इसके तीन गेंद बाद निशांत सिंधु ने उर्विल पटेल को 25 रन पर एलबीडब्ल्यू कर वेस्ट जोन की पारी का अंत कर दिया।

नॉर्थ जोन की ओर से अर्शदीप सिंह ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए चार विकेट लिए। वहीं अंशुल कंबोज ने पहली पारी में 60 रन बनाने के बाद गेंद से भी प्रभाव छोड़ा और शम्स मुलानी तथा कोटियन के विकेट हासिल किए। नॉर्थ जोन ने पहली पारी में 251 और दूसरी पारी में 222 रन बनाए थे। इसके जवाब में वेस्ट जोन की टीम 187 और 234 रन ही बना सकी। नॉर्थ जोन सेमीफाइनल में तिलक वर्मा की कप्तानी वाले साउथ जोन से भिड़ेगा। दूसरा सेमीफाइनल ईस्ट जोन और गत चैंपियन सेंट्रल जोन के बीच होगा। दोनों मुकाबले 30 अगस्त से बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में खेले जाएंगे।

बंगाल के पर्यटन क्षेत्रों को नए सिरे से सजाने की तैयारी में शुभेंदु सरकार

एजेंसी

कोलकाता : पश्चिम बंगाल में पर्यटन उद्योग को नए सिरे से विकसित करने की तैयारी शुरू हो गई है। दार्जिलिंग में पर्यटकों की सुविधा के लिए रोपवे सेवा को बेहतर बनाने के साथ ही सुंदरबन में लग्जरी क्रूज या रिवर टूरिज्म शुरू करने की योजना बनाई जा रही है। इसके अलावा दीघा, मंदारमणि, पुरुलिया, झाड़ग्राम और नवद्वीप समेत राज्य के प्रमुख पर्यटन केंद्रों के विकास पर भी विशेष जोर दिया जाएगा।

मंगलवार को नवान्न में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की मौजूदगी में पर्यटन विभाग के अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक हुई। बैठक में पर्यटन उद्योग को और आकर्षक बनाने को लेकर कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए। इस दौरान यह भी तय किया गया कि पर्यटन विभाग का नया लोगो तैयार किया जाएगा, जिसका अनावरण मुख्यमंत्री करेंगे। बैठक में मुख्यमंत्री के अलावा राज्य के पर्यटन मंत्री शंकर घोष, मुख्य सचिव मनोज अग्रवाल, मुख्यमंत्री के प्रधान सलाहकार सुब्रत गुप्ता, वित्त सचिव समेत प्रशासन के कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। नवान्न सूत्रों के मुताबिक, मुख्यमंत्री ने पर्यटन विभाग की सभी संपत्तियों के आधुनिकीकरण और विभिन्न संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर जोर दिया। पहाड़ी पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए दार्जिलिंग में रोपवे सेवा को बेहतर बनाने की योजना है, ताकि पर्यटक यातायात की समस्या से बचते हुए पहाड़ों की प्राकृतिक सुंदरता का आनंद ले सकें। वहीं, सुंदरबन के नदी मार्गों पर लग्जरी क्रूज या रिवर टूरिज्म शुरू करने की योजना है। इससे सुंदरबन की यात्रा को पर्यटकों के लिए और अधिक आकर्षक बनाने की कोशिश की जाएगी। दीघा और मंदारमणि जैसे लोकप्रिय समुद्र तटीय पर्यटन केंद्रों पर पर्यटकों के मनोरंजन के लिए स्पीडबोट उतारने का भी फैसला लिया गया है। हालांकि, पर्यटन विकास के साथ पर्यटकों की सुरक्षा को भी सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है।

इसी के तहत सुंदरबन तथा दीघा-मंदारमणि क्षेत्र में आपातकालीन सेवाओं के लिए वाटर एंबुलेंस और रेस्क्यू बोट को हर समय तैयार रखने की व्यवस्था की जाएगी।

पर्यटन विभाग की इस नई योजना के जरिए पहाड़, समुद्र, जंगल और धार्मिक पर्यटन–हर क्षेत्र को आधुनिक सुविधाओं से जोड़कर पश्चिम बंगाल को देश के प्रमुख पर्यटन केंद्रों में और मजबूत करने की तैयारी है।

शिक्षा मंत्री के आश्वासन पर आधी रात खत्म हुआ छात्रों का आंदोलन

एजेंसी

रायपुर, 26 अगस्त (हि.स.)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले के पेंड्रावन स्थित स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल में शिक्षकों की कमी और बुनियादी सुविधाओं को लेकर छात्रों का मंगलवार दोपहर से जारी प्रदर्शन रात 12 बजे के बाद स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव से फोन पर बातचीत और आश्वासन मिलने के बाद ही खत्म हुआ। 9वीं से 12वीं तक के करीब 400 छात्र-छात्राओं ने अपनी मांगों को लेकर मंगलवार दोपहर खैरागढ़-धमधा मुख्य मार्ग पर चक्का जाम कर दिया था । बताया गया है कि स्कूल में 9वीं से 12वीं तक करीब 400 छात्र-छात्राएं पढ़ते हैं, लेकिन उन्हें पढ़ाने के लिए केवल 3 शिक्षक और 1 प्रिंसिपल ही तैनात थे। साइंस, कॉमर्स, मैथ्स और इंग्लिश की पढ़ाई पूरी तरह ठप थी। छात्रों की मांग थी कि स्कूल में कम से कम 17 शिक्षक होने चाहिए और वर्तमान प्रिंसिपल को तुरंत हटाया जाए। छात्रों ने बताया कि बहुत परेशानी होती है। आज तक शौचालय नहीं बना है। लड़की लोग भी खुले में जाते हैं, बहुत दूर जाना पड़ता है और पूरा झाड़ी के अंदर है। मौके पर एसडीओपी ,

तहसीलदार, एसडीएम और स्कूल शिक्षा विभाग के सहायक संचालक समेत कई अधिकारियों ने छात्र-छात्राओं को समझाने की कोशिश की। मंगलवार दोपहर को शुरू हुआ यह प्रदर्शन रात तक चलता रहा। बच्चे स्कूल ड्रेस में ही तख्तियां थामे सड़क पर डटे रहे। चक्काजाम के कारण सड़क के दोनों ओर वाहनों की कई किलोमीटर लंबी कतारें लग गईं। लेकिन वे स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव से फोन पर बातचीत और आश्वासन मिलने के बाद ही माने। मामला शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव के गृह जिले का था, इसलिए उन्होंने खुद संज्ञान लिया। उन्होंने अधिकारियों के माध्यम से छात्रों से फोन पर सीधी बातचीत की और भरोसा दिलाया कि ₹आपकी सभी 3 प्रमुख मांगों (शिक्षक, प्रिंसिपल को हटाना और टॉयलेट निर्माण) पर तुरंत एक्शन लिया जा रहा है, आप सभी बच्चे अब अपने घर लौटें। ₹अधिकारियों के इस लिखित ऑर्डर और शिक्षा मंत्री के सीधे भरोसे के बाद ही छात्र-छात्राओं ने आधी रात को मुख्य मार्ग से जाम खत्म किया ।

जिला शिक्षा अधिकारी और मौके पर पहुंचे प्रशासनिक अधिकारियों ने बयान दिया कि ₹छात्रों की पढ़ाई प्रभावित नहीं होने दी जाएगी। स्कूल में तुरंत 4 नए शिक्षकों की ड्यूटी लगा दी गई है और अगले कुछ दिनों के भीतर 3 और वैकल्पिक शिक्षकों की व्यवस्था कर दी जाएगी।₹ वर्तमान प्रिंसिपल को लेकर छात्रों में भारी आक्रोश था। अधिकारियों ने छात्रों से कहा कि ₹शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए वर्तमान प्रिंसिपल को तत्काल प्रभाव से पद से हटा दिया गया है।

तिब्बत से आए जल सैलाब का कहर, नेपाल के रसुवा में बाढ़ , 28 पुलिसकर्मी लापता

काठमांडू–चितवन पृथ्वी राजमार्ग को पूरी तरह बंद किया गया

एजेंसी

काठमांडू : नेपाल के रसुवा में बुधवार सुबह तिब्बत से आए पानी के सैलाब से हाहाकार मच गया है। इस जल आपदा में रसुवा जिले में 19 पुलिसकर्मी लापता हो गए हैं। बागमती प्रदेश के पुलिस प्रमुख डीआईजी दीपक रेग्मी के अनुसार, रसुवागढ़ी पुलिस चौकी में तैनात 22 पुलिसकर्मियों में से केवल 9 से ही संपर्क हो पाया है। 13 पुलिसकर्मी से संपर्क नहीं हो पा रहा। स्याफ्रुबेसी में तैनात 9 पुलिसकर्मियों में से केवल 3 से संपर्क हो पाया है। पुलिसकर्मी लापता हैं। बाढ़ में पुलिस कार्यालय भी बह गया है। टिमुरे बीओपी में तैनात 9 सशस्त्र पुलिसकर्मी भी लापता बताए गए हैं। रसुवा में सुबह करीब 9 बजे आई बाढ़ से टिमुरे, स्याफ्रुबेसी समेत नदी तटीय क्षेत्रों में भारी क्षति हुई है। प्रभावित क्षेत्रों में नेपाल के तीनों सुरक्षा निकायों को खोज, बचाव और राहत अभियान में लगाया गया है। खोज एवं बचाव अभियान के लिए नेपाली सेना ने दो हेलीकॉप्टरों सहित विशेष टीम भेजी है। अस्पतालों में सेना के स्वास्थ्यकर्मियों की टीम भी तैनात की गई है। बचाव कार्य के लिए

धुन्चे, रसुवा और धादिङ के गजुरी से भी नेपाली सेना की टीमें भेजी गई हैं। भोटेकोशी नदी में आई अचानक बाढ़ के कारण पृथ्वी राजमार्ग के काठमांडू के नागढुंगा से चितवन के भरतपुर तक के हिस्से को पूरी तरह बंद कर दिया गया है। केंद्रीय पुलिस प्रवक्ता डीआईजी अविनारायण काफ्ले के अनुसार, धादिड़ जिले के राजमार्ग क्षेत्र भी बाढ़ से प्रभावित हो चुके हैं। अनहोनी की आशंका को देखते हुए दोनों दिशाओं से वाहनों की आवाजाही रोक दी गई है। उन्होंने बताया कि बाढ़ ने दर्जनों बस्तियों और बाजारों को प्रभावित किया है। तटीय क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए काठमांडू से आपदा प्रबंधन पुलिस की टीम भी प्रभावित क्षेत्र की ओर रवाना हो गई है। बाढ़ सतर्कता केंद्र ने चेतावनी दी है कि तिब्बत से आई भोटेकोशी नदी की भीषण बाढ़ का असर चितवन तक पहुंच सकता है। केंद्र ने तत्काल सतर्कता बरतने की अपील की है। बाढ़ पूवानुंमान शाखा ने सरकार से पृथ्वी राजमार्ग सहित क्षेत्र के प्रमुख कॉरिडोर मार्गों को बंद कर यातायात रोकने का आग्रह किया है। बाढ़ से रसुवा और नुवाकोट के नदी तटीय क्षेत्रों में भारी नुकसान हुआ है और इसका गंभीर प्रभाव मुग्लिन तक पड़ने की आशंका जताई गई है। त्रिशूली नदी से जुड़े सभी तटीय क्षेत्रों को जोखिम में बताते हुए लोगों से विशेष सतर्कता बरतने का आग्रह किया गया है। रसुवा स्थित भोटेकोशी नदी में बाढ़ के दौरान इलाके में भूस्खलन भी हुआ है। ट्रैफिक पुलिस ने पृथ्वी राजमार्ग और पासाङल्हामु राजमार्ग से संचालित होने वाले सार्वजनिक वाहनों की आवाजाही रोक दी है।

पूर्वी राजस्थान में झमाझम बारिश, पश्चिम में गर्मी ने बढ़ाई चिंता

एजेंसी

जयपुर : राजस्थान में मानसून का असर अब एक बार फिर क्षेत्रवार अलग-अलग नजर आ रहा है। मंगलवार को पूर्वी राजस्थान के बूंदी, कोटा, झालावाड़, सवाई माधोपुर, दौसा और टोंक समेत कई जिलों में अच्छी बारिश हुई। कई स्थानों पर तीन इंच तक पानी बरसा, जिससे छोटे-बड़े तालाब, बांध और एनिकट छलक गए। वहीं पश्चिमी राजस्थान में बारिश का दौर कमजोर पड़ने से गर्मी और उमस बढ़ गई है। श्रीगंगानगर में मंगलवार को अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस मापा गया। मौसम विभाग की रिपोर्ट के अनुसार पिछले 24 घंटे में सबसे ज्यादा बारिश बूंदी के

तालेड़ा में 70 मिलीमीटर हुई। इसके अलावा अलवर, चित्तौड़गढ़, कोटा, सवाई माधोपुर, भीलवाड़ा, झालावाड़ और दौसा में एक इंच से अधिक बारिश हुई। तेज बारिश के कारण दौसा, करौली, भरतपुर और सवाई माधोपुर के कई इलाकों में छोटे जलस्त्रोतों में पानी की आवक बढ़ गई और बांध, तालाब व एनिकट ओवरफ्लो हो गए। धौलपुर जिले में बारिश के बीच पार्वती नदी में बहने से एक युवक की मौत हो गई। सकवारा क्षेत्र में पार्वती नदी की रपट पार करते समय 32 वर्षीय विजय सिंह बह गया। सूचना के बाद एसडीआरएफ और सिविल डिफेंस की टीम ने तलाश अभियान चलाकर युवक का शव बाहर निकाला। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार मानसून ट्रफ लाइन अब उत्तर भारत की ओर ऊपर खिसक गई है। इसके चलते 27 अगस्त से दो सितंबर के बीच पूर्वी राजस्थान में भी बारिश की गतिविधियों में कमी आने की संभावना है। पश्चिमी राजस्थान के जोधपुर और बीकानेर संभाग के अधिकांश हिस्सों में आगामी एक सप्ताह मानसून कमजोर रहने की संभावना जताई गई है। जल संसाधन विभाग की रिपोर्ट के अनुसार मानसून कमजोर पड़ने का असर प्रदेश के बांधों पर भी दिखाई दे रहा है। मानसून की गतिविधियां कमजोर रहने पर इन बांधों के जलस्तर में कमी आने की आशंका है। जयपुर समेत तीन जिलों की पेयजल आपूर्ति की प्रमुख लाइफलाइन बीसलपुर बांध में भी पानी की आवक बेहद कम बनी हुई है। बांध का वर्तमान जलस्तर 314.09 आरएल मीटर है।

अमेरिका और ईरान होर्मुज के ताजा हालात की नहीं दे रहे सही जानकारी: पूर्व राजनयिक जोई हुड

वाशिंगटन/तेहरान : अमेरिका के पूर्व राजनयिक जोई हुड ने कहा कि होमुर्ज जलडमरूमध्य (स्ट्रेट ऑफ होर्मुज) की स्थिति के बारे में न तो वाशिंगटन और न ही तेहरान पूरी तरह सही जानकारी दे रहे हैं। हुड ने कहा, ₹डोनाल्ड ट्रंप अकसर कहते हैं कि यह जलमार्ग खुला है। उनका यह कहना पूरी तरह सही नहीं है। ईरान का यह कहना भी पूरी तरह सही नहीं है कि उन्होंने तेहरान ने इसे बंद कर दिया है। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, हुड ने कहा कि ईरान के पास इस जलमार्ग को पूरी तरह से बंद करने के लिए जरूरी साधन नहीं हैं। उन्होंने कहा, ₹होर्मुज किसी हाइवे जैसा नहीं है, जहां आप कोई गेट लगा दें या शिपिंग रोकने के लिए कोई रुकावट खड़ी कर दें। ईरान दबाव बनाने के लिए बिना हथियारों वाले कमर्शियल जहाजों को धमकाता है और फिर उन पर मिसाइलें दागता हैं। हुड ने कहा कि कुछ जहाज अपने ट्रांसपोंडर बंद कर देते हैं रात में यात्रा करते हैं और ओमान के तट के करीब से गुजरते हैं। अमेरिकी सेना अपने पास मौजूद संसाधनों से उनकी सुरक्षा करने की कोशिश करती है। इस बीच ईरान के उप विदेशमंत्री काजिम गरीबाबादी ने कहा कि ओमान के साथ हुए अस्थायी ट्रांजिट समझौते के बावजूद होर्मुज जलडमरूमध्य बंद है। इस जलमार्ग को पूरी तरह खोलने से पहले वाशिंगटन को समझौता ज्ञापन के तहत किए गए अपने वादों को पूरा करना होगा।

ग्लोबल मार्केट से मजबूती के संकेत, एशिया में भी खरीदारी का रुख

एजेंसी

नई दिल्ली : ग्लोबल मार्केट से आज मजबूती के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान उत्साह का माहौल बना रहा। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी आज बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। वहीं एशियाई बाजार में आज आमतौर पर खरीदारी का रुख बना हुआ है। कच्चे तेल की कीमत में आई गिरावट और बॉन्ड यील्ड में कमी होने की वजह से अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार पॉजिटिव सेंटीमेंट बना रहा, जिससे वॉल स्ट्रीट के सूचकांक मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.32 प्रतिशत उछल कर 7,677.28 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 171.11

अंक यानी 0.66 प्रतिशत की तेजी के साथ 26,151.30 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 0.05 प्रतिशत मजबूत होकर 53,601.91 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोप के बाजार पिछले सत्र के दौरान दिन भर मजबूती के साथ कारोबार करने के बाद आखिरी वक्त में हुई मुनाफा वसूली के कारण मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.29 प्रतिशत उछल कर 10,886.16 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह डीएएक्स इंडेक्स ने 159.54 अंक यानी 0.61 प्रतिशत की छलांग लगा कर 26,266.14 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके विपरीत सीएसी इंडेक्स आखिरी वक्त में हुई बिकवाली के कारण अपनी सारी बढ़त गंवा कर 0.16 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,439.20 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में आज आमतौर पर खरीदारी का रुख बना हुआ है। एशिया के नौ बाजार में से आठ के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि एक सूचकांक की चाल में गिरावट नजर आ रही है। एशियाई बाजार में इकलौता स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.17 प्रतिशत टूट कर 5,726.05 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.19 प्रतिशत की तेजी के साथ 24,527.50 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसी तरह जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.16 प्रतिशत की बढ़त के साथ 6,512.06 अंक के स्तर पर आ गया है। कोस्पी इंडेक्स में आज जोरदार तेजी का रुख बना हुआ है। फिलहाल यह सूचकांक 132.11 अंक यानी 1.96 प्रतिशत की उछाल के साथ 6,874.85 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

ताइवान वेटेड इंडेक्स ने भी आज बड़ी छलांग लगाई है। फिलहाल यह सूचकांक 598.23 अंक यानी 1.32 प्रतिशत की मजबूती के साथ 45,767.69 अंक के स्तर पर आ गया है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 196.90 अंक यानी 0.77 प्रतिशत उछल कर 25,708 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.70 प्रतिशत की उछाल के साथ 3,916.83 अंक के स्तर पर, सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.68 प्रतिशत की छलांग लगा कर 1,606.80 अंक के स्तर पर और निक्केई इंडेक्स 409.57 अंक यानी 0.62 प्रतिशत की तेजी के साथ 66,266 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

भागलपुर के कई इलाकों में घुसा बाढ़ का पानी, फसलें जलमग्न

भागलपुर : जिले में गंगा और उसकी सहायक नदियों के जलस्तर में वृद्धि होने से बाढ़ का संकट गहराने लगा है। भागलपुर के गोराडीह प्रखंड के दक्षिणी क्षेत्र स्थित बहियार (खेत-खलिहान) में बाढ़ का पानी तेजी से प्रवेश कर गया है। इसके अलावा, लैलख और ममलखा सहित कहलगांव प्रखंड के विभिन्न निचले इलाकों में भी बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है। गोराडीह प्रखंड के दक्षिणी बहियार में बाढ़ का पानी घुसने से सैकड़ों एकड़ में लगी धान और अन्य खरीफ फसलें पूरी तरह जलमग्न हो गई हैं। किसानों को भारी नुकसान की आशंका सता रही है। इसके साथ ही बहियार में पानी भरने से पशुपालकों के सामने मवेशियों के लिए चारे का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। लैलख और ममलखा के निचले इलाकों में बाढ़ का पानी प्रवेश कर जाने से आवागमन प्रभावित होने लगा है। कई ग्रामीण सड़कों पर पानी चढ़ गया है, जिससे लोगों को आने-जाने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि अगर जलस्तर इसी तरह बढ़ता रहा, तो पानी बहुत जल्द घरों में भी घुस जाएगा। उधर कहलगांव प्रखंड के कई गांवों और दियारा क्षेत्रों में भी बाढ़ की स्थिति विकराल होती जा रही है। नदी किनारे बसे इलाकों में तेजी से पानी फैल रहा है। प्रभावित क्षेत्रों के लोग अब सुरक्षित स्थानों और ऊंचे तटबंधों की ओर पलायन करने की तैयारी में हैं। स्थानीय ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि प्रभावित क्षेत्रों का जल्द से जल्द मुआयना किया जाए और प्रभावित लोगों व पशुओं के लिए राहत सामग्री, नाव तथा चारे की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

सारण में हत्या के मामले में आरोपित को आजीवन कारावास की सजा

सारण : पुलिस द्वारा न्यायालय में प्रस्तुत किए गए साक्ष्य और चार्जशीट के आधार पर व्यवहार न्यायालय के ए डी जे बारह छपरा अंजनी कुमार गोंड की अदालत ने हत्या के एक मामले में आरोपित को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। मामला मढौरा थाना कांड संख्या 344/16 से संबंधित है। न्यायालय ने प्राथमिकी आरोपित पशुराम राय बरढहिया टोला पिपरपाती, थाना मढौरा निवासी को धारा 302 भारतीय दंड विधान के तहत दोषी पाया। अदालत ने अभियुक्त को आजीवन कारावास के साथ 10 हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड की राशि का भुगतान न करने पर अभियुक्त को 06 माह की अतिरिक्त कारावास की सजा भुगतनी होगी। इस मामले में सरकारी वकील दयानंद राय द्वारा पुलिस की तरफ से पैरवी की गई थी।

इस साल कोलकाता की दुगार्पूजा समितियों के बजट में हो रही कटौती

कोलकाता : इस साल कोलकाता की दुगार्पूजा समितियों के बजट में बड़ी कटौती देखने को मिल रही है। खासकर बड़े बजट वाली पूजा समितियों को अब आय-व्यय का पूरा हिसाब रखने का निर्देश दिया गया है। नई सरकार ने साफ कर दिया है कि पूजा के नाम पर होने वाले अतिरिक्त खर्च और किसी भी तरह की अनियमितता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पिछले कुछ वर्षों में कोलकाता में बड़े बजट वाली दुगार्पूजाओं की संख्या तेजी से बढ़ी थी। उत्तर कोलकाता से लेकर दक्षिण कोलकाता तक कई पूजा समितियों का बजट लाखों से बढ़कर करोड़ों रुपये तक पहुंच गया था। लेकिन सरकार बदलने के बाद इस बार इन बड़े बजट वाली पूजाओं की भव्यता पर ब्रेक लगता दिखाई दे रहा है। कई समितियों में कमेटी बदली है और बजट में भी बड़े पैमाने पर कटौती की गई है। जिन पूजा मंडपों में पिछले वर्षों में पैर रखने तक की जगह नहीं होती थी, इस बार वहां अपेक्षाकृत सादगी से पूजा आयोजित किए जाने की संभावना है। उत्तर कोलकाता हो या दक्षिण कोलकाता, पिछले वर्षों में कई पूजा समितियों के साथ तृणमूल कांग्रेस के नेता, मंत्री या पार्षदों के नाम जुड़े रहे थे। ऐसे में स्पॉन्सर के अलावा आर्थिक स्त्रोतों को लेकर ज्यादा चिंता नहीं करनी पड़ती थी। नई पूजा समितियों का आरोप है कि पिछले वर्षों में कई पूजा आयोजनों का ऑडिट भी सही तरीके से नहीं हुआ और आय-व्यय का पूरा हिसाब नहीं देना पड़ा। इसके चलते मंडप और सजावट पर बड़े पैमाने पर खर्च किया गया। लेकिन इस बार स्थिति बदल गई है। नई सरकार ने पूजा आयोजनों में पारदर्शिता पर जोर दिया है। सरकार का कहना है कि दुगार्पूजा में राजनीति का रंग नहीं चढ़ने दिया जाएगा और किसी भी तरह की वित्तीय अनियमितता को स्वीकार नहीं किया जाएगा। इसी दिशा में नई समितियां भी अपनी तैयारियां कर रही हैं। नई व्यवस्था का असर महानगर के कई चर्चित आयोजनों पर पड़ने की संभावना है।

नेपाल के रसुवा में 300 मेगावाट से अधिक की जलविद्युत परियोजनाओं को भारी नुकसान, पूरे इलाके में बिजली आपूर्ति ठप

काठमांडू : तिब्बत की ओर से रसुवा पहुंची भीषण बाढ़ से त्रिशूली नदी के तटीय क्षेत्र में स्थित 300 मेगावाट से अधिक क्षमता वाली जलविद्युत परियोजनाओं को भारी नुकसान पहुंचने का प्रारंभिक अनुमान ऊर्जा मंत्रालय ने लगाया है। प्रभावित परियोजनाओं में निमार्णाधीन और संचालित दोनों प्रकार की जलविद्युत परियोजनाएं शामिल हैं। प्रारंभिक आकलन के अनुसार, कई परियोजनाओं के पावर हाउस और सब-स्टेशन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हुए हैं। ऊर्जा मंत्रालय के अनुसार रसुवागढ़ी (111 मेगावाट), चिलिमे (22 मेगावाट), त्रिशूली-3 ए (60 मेगावाट), त्रिशूली-3 बी (37 मेगावाट), मैलुङ (14 मेगावाट) और त्रिशूली-बेनीघाट (35 मेगावाट) जलविद्युत परियोजनाओं को नुकसान पहुंचा है। इसी तरह बाढ़ से 57 मेगावाट क्षमता वाली साञ्जेन (अपर) और साञ्जेन जलविद्युत परियोजनाओं को भी क्षति पहुंचने की जानकारी मंत्रालय ने दी है। ऊर्जा मंत्री विराजभक्त श्रेष्ठ के सचिवालय के एक अधिकारी ने बताया कि अभी नुकसान का आधिकारिक ब्यौरा जुटाया जा रहा है। प्रभावित परियोजनाओं में कार्यरत कर्मचारियों की जानकारी भी जुटाई जा रही है। नेपाल विद्युत प्राधिकरण के विभिन्न विद्युत गृहों और प्रसारण संरचनाओं को भी नुकसान पहुंचा है। प्राधिकरण के अनुसार, बाढ़ के कारण रसुवा और आसपास के क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति प्रभावित हुई है। प्राधिकरण ने बताया कि बाढ़ से रसुवागढ़ी, चिलिमे और त्रिशूली-3 ह्यएह्न जलविद्युत केंद्र तथा त्रिशूली-3 ह्यबीह्न हब के 220 केवी सबस्टेशन को नुकसान पहुंचा है। त्रिशूली और देवीघाट जलविद्युत केंद्रों तथा विभिन्न विद्युत वितरण संरचनाओं पर भी बाढ़ का असर पड़ा है।

वाहन सवार तीन लोगों से पकड़ा चिट्टा, केस दर्ज

शिमला : शिमला जिले के झाकड़ी थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक वाहन की तलाशी के दौरान तीन लोगों के कब्जे से 3.29 ग्राम चिट्टा (हेरोइन) बरामद किया है। पुलिस ने तीनों के खिलाफ एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले में रामपुर निवासी 32 वर्षीय हितेश ठाकुर, 30 वर्षीय बलदेव और 29 वर्षीय विशाल को आरोपी बनाया गया है। पुलिस के अनुसार 25 अगस्त को झाकड़ी थाना क्षेत्र की टीम धार गौरा के समीप डोई खड्ड में नाकाबंदी कर आने-जाने वाले वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान एक वाहन को जांच के लिए रोका गया। वाहन की तलाशी लेने पर उसमें सवार तीनों लोगों के कब्जे से कुल 3.29 ग्राम चिट्टा (हेरोइन) बरामद हुआ। पुलिस ने बरामदगी के संबंध में झाकड़ी थाने में एनडीपीएस अधिनियम की धारा 21 और 29 के तहत मामला दर्ज किया है।

न्यूज IN ब्रीफ

गोली लगने के एक घंटे बाद खुद अस्पताल पहुंचा युवक, पुलिस जांच में जुटी

मेदिनीनगर : शहर थाना क्षेत्र के जेलहाता में मंगलवार रात करीब 8:30 बजे गोली लगने से एक युवक घायल हो गया। घटना के करीब एक घंटे बाद घायल युवक खुद रात करीब 9:30 बजे अस्पताल पहुंचा, जहां उसका इलाज चल रहा है। घायल की पहचान लेस्लीगंज थाना क्षेत्र निवासी जितेंद्र पासवान के रूप में हुई है। युवक ने पुलिस को घटना की जानकारी दी है, लेकिन गोली लगने के कारण और घटना की परिस्थितियां अब तक स्पष्ट नहीं हो सकी हैं। घटना के बाद अस्पताल पहुंचने में करीब एक घंटे का अंतर भी पुलिस के लिए जांच का विषय बना हुआ है। पुलिस ने मामले को संदिग्ध मानते हुए छानबीन शुरू कर दी है।

एक अक्तूबर को रेड क्रॉस में 2000 यूनिट रक्त संग्रह का लक्ष्य

जमशेदपुर : राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस पर एक अक्तूबर को रेड क्रॉस भवन के साकची भवन में बृहद रक्तदान शिविर का आयोजन किया जायेगा। रेड क्रॉस के सचिव विजय कुमार सिंह ने यह जानकारी दी उन्होंने बताया कि, जिला से राष्ट्रीय स्तर तक रक्तदान को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रयास किये जा रहे हैं। झारखंड के राज्यपाल ने पूर्व में रेड क्रॉस की जिला इकाइयों तथा विश्वविद्यालयों को रक्तदान के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया था। वहीं, झारखंड सरकार के मुख्य सचिव ने सभी उपायुक्तों को निर्देश दिया है कि प्रत्येक जिला अपनी आबादी के एक प्रतिशत वार्षिक रक्तदान सुनिश्चित करने की दिशा में कार्य करे, ताकि जरूरतमंदों को समय पर रक्त उपलब्ध हो सके।

केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा भी देशभर में 100 प्रतिशत स्वैच्छिक रक्तदान को बढ़ावा देने, रक्त की गुणवत्ता सुनिश्चित करने तथा सुरक्षित रक्त की उपलब्धता बढ़ाने के लिए जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इधर, रेड क्रॉस की जिला शाखा द्वारा 2000 यूनिट रक्त संग्रह का लक्ष्य रखा गया है, ताकि पूजा के मौसम में रक्त की कमी न हो।

मानगो गांधी मैदान से निकला जुलूस-ए-मोहम्मदी

जमशेदपुर : ईद मिलादुन्नबी के मौके पर बुधवार को मानगो गांधी मैदान से जुलूस-ए-मोहम्मदी निकाला गया। सुबह से ही गांधी मैदान में लोगों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। बड़ी संख्या में लोग जुलूस में शामिल हुए। गांधी मैदान से जुलूस पैदल आगे बढ़ा और मानगो के विभिन्न इलाकों से होते हुए शहर की ओर रवाना हुआ। जुलूस के दौरान मानगो, चेपापुल, आजाद बस्ती, आजादनगर समेत आसपास के इलाकों में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। इसके अलावा टेल्को, गोलमुरी, जुगसलाई और अन्य क्षेत्रों से भी लोग जुलूस में पहुंचे। कई जगहों पर जुलूस में शामिल लोगों का स्वागत किया गया। आयोजकों की ओर से जुलूस को व्यवस्थित रखने और यातायात व्यवस्था में सहयोग के लिए बड़ी संख्या में स्वयंसेवकों को लगाया गया है। स्वयंसेवक जुलूस के मार्ग पर व्यवस्था संभालने के साथ आम लोगों को परेशानी नहीं हो, इसका ध्यान रख रहे हैं। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मानगो गांधी मैदान से सुबह साढ़े आठ बजे जुलूस रवाना हुआ। इसके बाद साकची आमबगान मैदान में उलेमा की तकरीर और दुआ का कार्यक्रम रखा गया। दोपहर 12 बजे आमबगान से जुलूस आगे बढ़कर साकची गोलचक्कर, स्ट्रेटमाइल रोड और जुस्को गोलचक्कर होते हुए धतकीडीह सामुदायिक मैदान पहुंचने का कार्यक्रम है। यहां तकरीर और दुआ के बाद करीब ढाई बजे जुलूस के समापन की तैयारी है।

गुंजन कुमारी बनीं भारतीय महिला फुटबॉल महासंघ की चेयरमैन

जमशेदपुर : भारतीय महिला फुटबॉल महासंघ की आमसभा सोमवार को केनेलाइट होटल, साकची में मुहम्मद कासिम अंसारी की अध्यक्षता में हुई। बैठक में पिछले वर्ष के आय-व्यय का लेखा-जोखा और महासंघ की ओर से आयोजित फुटबॉल प्रतियोगिताओं की समीक्षा की गई। इसमें झारखंड समेत छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, हरियाणा, दिल्ली और पश्चिम बंगाल के प्रतिनिधि शामिल हुए। सर्वसम्मति से गुंजन कुमारी को महासंघ का चेयरमैन और मुहम्मद कासिम अंसारी को राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोनीत किया गया। जावेद अंसारी को राष्ट्रीय सचिव और साजी टी। जॉन को कोषाध्यक्ष बनाया गया। इसके अलावा विभिन्न पदों पर पदाधिकारियों और सदस्यों का मनोनयन किया गया।महासंघ ने देशभर में महिलाओं और बच्चों को फुटबॉल से जोड़ने तथा खेल के माध्यम से उनके शारीरिक, मानसिक और सर्वांगीण विकास का लक्ष्य रखा है। साथ ही खेल के जरिए रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया। संचालन अदिति साह ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन सुशील कुमार सिंह ने किया।

जेबीसीसीआई पर स्थिति स्पष्ट नहीं, बोनस पर वार्ता संभव

धनबाद : लेबर कोड, जेबीसीसीआई और बोनस जैसे कई मुद्दों को लेकर कोयला क्षेत्र में ऊहापोह की स्थिति है। अंदरखाने छनकर आ रही खबरों के अनुसार बेहतर औद्योगिक संबंध बनाने के लिए प्रबंधन अब ट्रेड यूनियनों के साथ थोड़ा लचीला रुख अपनाने का संकेत दे रहा है। ट्रेड यूनियन सूत्रों के अनुसार फिलहाल जेबीसीसीआई को लेकर प्रबंधन कुछ भी बोलने को तैयार नहीं है। वैसे बोनस पर यूनियनों के साथ वार्ता संभव है। मालूम हो कि दुगार्पूजा के अवसर पर कोयला कर्मियों को बोनस के रूप में मोटी रकम मिलती है। कोयला क्षेत्र में बोनस का बड़ा आकर्षण भी है। दो सितंबर को कोल इंडिया ने चार सेंट्रल ट्रेड यूनियन के नेताओं को विभिन्न मुद्दों पर अनौपचारिक चर्चा के लिए आमंत्रित किया है। यूनियन सूत्रों का कहना है कि उक्त बैठक में बोनस पर वार्ता के लिए तिथि पर कोल इंडिया प्रबंधन की ओर से कोई संकेत दिया जा सकता है।

दो सितंबर की बैठक के पहले 27 अगस्त को चार सेंट्रल ट्रेड यूनियनों के फेडरेशन की वर्चुअल बैठक होनी है। उक्त बैठक में यूनियनें जेबीसीसीआई, बोनस एवं 12 सितंबर को रांची में आयोजित कन्वेंशन पर मंथन किया कर रणनीति तय करेंगी। संकेत यहां तक है कि दो सितंबर की बैठक में यदि कोल इंडिया सकारात्मक रुख नहीं अपनाती है तो 12 सितंबर के कन्वेंशन में मुकम्मल आंदोलन की घोषणा संभव है। हड़ताल तक पर विचार किया जा सकता है। वैसे कोल सेक्टर में निजी क्षेत्रों की भागीदारी बढ़ने से ट्रेड यूनियनों के लिए हड़ताल अब आसान नहीं है।

जुलूस-ए-मोहम्मदी का सामाजिक कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत, रक्तदान की अपील

संवाददाता

रांची : ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर बुधवार को निकाले गए जुलूस-ए-मोहम्मदी का सामाजिक कार्यकताओं ने जगह-जगह स्वागत किया। मेन रोड स्थित उर्दू लाइब्रेरी के समीप नगीना शू दुकान (साजिद उमर की दुकान के बगल में) के पास सुबह 11 बजे से जुलूस में शामिल लोगों के स्वागत के लिए विशेष व्यवस्था की गयी थी।सामाजिक कार्यकताओं ने जुलूस में शामिल लोगों को खजूर, इत्र और पानी वितरित किया। इसके अलावा लोगों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित भी किया गया। स्वागत कार्यक्रम के दौरान आपसी भाईचारे, सौहार्द और इंसानियत का संदेश दिया गया।

इस मौके पर सामाजिक कार्यकर्ता साजीद उमर ने रक्तदान को लेकर लोगों को जागरूक किया। ह्यरक्तदान-महादानह्ण का संदेश देते हुए सामूहिक रूप से पर्चे बांटे गये और जरूरतमंद मरीजों की मदद के लिए अधिक से अधिक लोगों से रक्तदान करने की अपील की गयी।

लहू बोलेगा टीम के संस्थापक अध्यक्ष नदीम खान ने कहा कि रक्तदान किसी जरूरतमंद की जिंदगी बचाने का माध्यम है। ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर इंसानियत और सेवा का संदेश समाज तक पहुंचाने के उद्देश्य से यह पहल की गयी। जुलूस में शामिल लोगों ने भी रक्तदान के संदेश को सराहा।मौके पर जावेद अहमद डॉ दानिश बब्बर शाहनवाज इन्जीनियर एस अली मौजूद थे।

पलामू के डिजनीलैंड मेला में छापाः बिहार के सात बाल श्रमिक कराए गये मुक्त

पलामू : जिला के चर्चित डिजनीलैंड मेला में श्रम विभाग एवं सीडब्ल्यूसी ने छापेमारी की है। इस छापेमारी में बिहार के रहने वाले सात बाल श्रमिकों को मुक्त करवाया गया है। मुक्त हुए चार बाल श्रमिकों को बालगृह भेजा गया है जबकि तीन के कागजात की जांच की जा रही है। जिला का डिजनीलैंड मेला काफी चर्चित है। पलामू के मेदिनीनगर के शिवाजी मैदान में प्रतिवर्ष यह मेला लगता है। इस मेला में हजारों लोग पहुंचते हैं। शनिवार को श्रम विभाग, बाल कल्याण समिति, जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी के नेतृत्व में डिजनीलैंड मेला में छापेमारी हुई। मेला में विभिन्न दुकानों में काम कर रहे सात बाल श्रमिकों को मुक्त करवाया गया है। तीन बाल श्रमिक बिहार के छपरा जिला के रहने वाले है।

सीडब्लूसी के सदस्य रवि शंकर ने बताया सात बाल श्रमिकों को मुक्त करवाया गया है पूरे मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही। पूरे मामले में मेला संचालक और नियोजकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाया जाएगा। बाल श्रमिक के परिजनों को बुलाया गया है और उनकी काउंसेलिंग की जाएगी। सदस्य रवि शंकर ने बताया कि तीन बाल श्रमिक बिहार के छपरा के रहने वाले हैं जबकि अन्य बाल श्रमिक बिहार के विभिन्न इलाकों के रहने वाले हैं। रेस्क्यू हुए सभी बच्चे विभिन्न दुकानों में कार्य कर रहे थे पूरे मामले में सभी पक्षों को नोटिस जारी भी किया जाएगा।

पलामू में चीनी दुकानों पर प्रशासन का छापा

स्टॉक को ऑनलाइन अपडेट करने का निर्देश

पलामू : चीनी की बढ़ती कीमतों के बीच पलामू जिला प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई शुरू की। जिला प्रशासन ने मंगलवार को बाजार समिति में चीनी के कई थोक कारोबारी के गोदाम पर छापेमारी की।

इस छापेमारी में गोदाम में मौजूद चीनी के स्टॉक और उसकी खरीद बिक्री की पूरी जानकारी ली गई है। जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रमोद कुमार के नेतृत्व में यह छापेमारी की गई है। इस छापेमारी में पलामू जिला प्रशासन के तरफ से थोक कारोबारी को कई बिंदुओं पर निर्देश जारी किया गया है।

पलामू में फिलहाल चीनी 70 रुपए किलो के हिसाब से बिक रही है। पिछले 15 दिन में चीनी की कीमत 55 रुपय से 70 रुपये पहुंच गई है। हालात को देखते हुए पलामू जिला प्रशासन ने सख्ती बढ़ाया है और स्टॉक की जांच शुरू की है। छापेमारी में पलामू जिला प्रशासन की तरफ से सभी थोक कारोबारी को यह निर्देश दिया गया है कि अधिक कीमत पर चीनी को नहीं बेचना है जबकि चीनी के स्टॉक को प्रतिदिन ऑनलाइन अपडेट करना है। ऐसा नहीं करने वाले तो कारोबारी के खिलाफ जिला प्रशासन कार्रवाई करेगी।

जामताड़ा में मंईयां योजना से 1500 अयोग्य लाभुक बाहर

मामूली त्रुटि के कारण भी कई महिलाओं को नहीं मिल रहा लाभ

संवाददाता

जामताड़ा : जिले में मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना का लाभ उठाने वाले उन 1500 लोगों का नाम सूची से हटा दिया गया है जिनको अयोग्य पाया गया है। वहीं दूसरी ओर कई ऐसी पात्र महिलाएं हैं जो छोटी-मोटी गलतियों के कारण मंईयां सम्मान योजना का लाभ नहीं उठा पा रही हैं और उन्हें सरकारी दफ्तरों के बार-बार चक्कर लगाने पड़ रहे हैं।

सत्यापन के बाद नाम हटाए गए

जामताड़ा में मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना का लाभ ले रहे लोगों का प्रशासन द्वारा सत्यापन किए जाने के बाद करीब 1500 लाभुक अयोग्य पाए गए। जिसके कारण उन्हें इस लाभ से वंचित कर दिया गया और नाम हटा दिया गया। ये ऐसे लोग हैं जो या तो सर्विस में थे या जिनकी आर्थिक स्थिति अच्छी थी।

मामूली त्रुटि से कई पात्र महिलाएं परेशान

हालांकि प्रशासन ने जांच-पड़ताल के बाद मंईयां सम्मान योजना से अयोग्य लोगों को बाहर कर दिया है, लेकिन कुछ ऐसी महिलाएं भी हैं जो छोटी-मोटी गलतियों की वजह से इस योजना का लाभ नहीं उठा पा रही हैं। ऐसी ही एक महिला हैं मालती देवी, जो बार-बार दफ्तर के चक्कर लगा रही हैं। उनका कहना है कि उनके आधार कार्ड में उनकी उम्र 50 साल से कम है, लेकिन राशन कार्ड में उम्र 50 साल लिखी है। इसी अंतर की वजह से उन्हें योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है। वह पिछले दो-तीन महीनों से दफ्तर के चक्कर काट रही हैं।

उपायुक्त ने दी सफाई

जब इस मामले में जामताड़ा के डिप्टी कमिश्नर आलोक कुमार से संपर्क किया गया, तो उन्होंने बताया कि वेरिफिकेशन प्रोसेस के दौरान अयोग्य पाए जाने के बाद लगभग 1500 लाभार्थियों को मंईयां सम्मान योजना से बाहर कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि कई मामले सामने आ रहे हैं जिनके कारण मामूली त्रुटि के चलते उन्हें मंईयां सम्मान योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है। ऐसे मामलों की जांच कराई जा रही है। जांच के उपरांत सही पाए जाने पर उन्हें मंईयां सम्मान योजना का लाभ दिया जाएगा।

वसूली की तैयारी शुरू

जो भी हो मामूली त्रुटि को लेकर जहां कई लाभुक को मंईयां सम्मान योजना का लाभ नहीं मिल रहा है, वहीं अयोग्य पाए गए लाभुकों से प्रशासन द्वारा वसूली को लेकर कार्रवाई की तैयारी की जा रही है।

धालभूमगढ़ में 60 दुकानें जमींदोज, चला बुलडोजर

संवाददाता

जमशेदपुर : एनएचएआई ने दूसरे दिन मंगलवार को भी धालभूमगढ़ और चार चक्का क्षेत्र में अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। अभियान के दौरान करीब 60 दुकानों को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। इस दौरान कई दुकानदारों ने स्वयं ही अपनी दुकानें और प्रतिष्ठान खाली कर दिए, जबकि कुछ निमार्णों को जेसीबी से हटाया गया। कार्रवाई के दौरान झामुमो के कार्यालय को भी जेसीबी से तोड़कर अतिक्रमण मुक्त कराया गया। एनएचएआई के नियमों के अनुसार बहरागोड़ा से घाटशिला की ओर जाने वाली सड़क के दाहिनी ओर स्थित अधिकतर दुकानदारों ने स्वयं दुकानें खाली कर दीं। वहीं, घाटशिला से बहरागोड़ा की ओर जाने वाली सड़क के बाईं ओर स्थित दुकानों एवं अन्य निमार्णों को जेसीबी से हटाया गया। कार्रवाई के दौरान दुकानदारों ने अपने सामान को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया।

एनएचएआई के अधिकृत अमीन शुभेंदु श्यामल ने वैसे मकान मालिकों और दुकानदारों के निमार्णों को चिह्नित किया, जिनकी जमीन का मुआवजा राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की ओर से भुगतान किया जा चुका है। लेकिन अब तक निर्माण नहीं हटाया गया है। ऐसे निमार्णों पर लाल निशान लगाया गया है और संबंधित लोगों को सात दिनों की मोहलत दी गई है। निर्धारित अवधि में निर्माण नहीं हटाने पर प्रशासन की ओर से कार्रवाई की जाएगी।

दुकानों के हटने से करीब 300 लोग प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित हुए हैं। इन दुकानों से दुकानदारों के साथ ट्रॉली चालक, सामान ढोने वाले मजदूर और बाजार में सफाई का काम करने वाले लोग भी अपनी आजीविका चलाते थे। कई दुकानदारों ने व्यवसाय के लिए बैंक से ऋण लिया था, जिसकी किस्तें दुकान की आमदनी से चुकाई जा रही थीं। दुकानें हटने से बच्चों की पढ़ाई, बुजुर्ग माता-पिता की दवा सहित परिवार के अन्य खर्चों को लेकर भी दुकानदारों के सामने संकट खड़ा हो गया है। रोजगार का साधन छिनने से प्रभावित लोग निराश हैं। अभियान के दौरान एनएचएआई के रेजिडेंट इंजीनियर जितेंद्र कुमार सिंह, साइट इंचार्ज ऋषभ रंजन, अमीन शुभेंदु श्यामल, दंडाधिकारी के रूप में आलोक कुमार गुप्ता, धालभूमगढ़ थाना के एएसआई फिलिप कुजूर पुलिस बल के साथ तथा राजस्व कर्मचारी प्रेम कुमार मौजूद थे।

अलमारी से जेवर चोरी मामले में करीबी महिला से पूछताछ

जमशेदपुर : मानगो के जवाहरनगर क्रॉस रोड नंबर 14 में अलमारी के लॉकर से करीब डेढ़ लाख के सोने के जेवरात चोरी के मामले में पुलिस ने एक महिला से पूछताछ की है। महिला चोरी की घटना से प्रभावित परिवार की करीबी बताई जा रही है। पुलिस ने उससे चोरी की घटना और जेवर से जुड़ी जानकारी के संबंध में पूछताछ की।मामले में जीनत उर्फ निशा ने मानगो थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। उन्होंने पुलिस को बताया था कि शनिवार को अलमारी का लॉकर खोलने पर उसमें रखी सोने की दो अंगूठियां और एक चेन गायब मिली। जेवर की कीमत करीब डेढ़ लाख बताई गई है। पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता ने बताया था कि सात अगस्त को जवाहरनगर क्रॉस रोड नंबर 14 में किराये के मकान में रहने वाले उमर की पत्नी सलीमन बीबी उनके घर आई थीं। उस दिन उनके अलावा कोई अन्य व्यक्ति घर नहीं आया था। इसी आधार पर शिकायतकर्ता ने सलीमन बीबी पर जेवर चोरी का शक जताया था। पुलिस ने मामले की जांच के दौरान महिला से पूछताछ की। साथ ही घटना के दिन घर आने-जाने वाले लोगों और परिस्थितियों की जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस का कहना है कि पूछताछ और जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

डीसी समेत सभी अधिकारी बने भैया, छात्राओं ने बांधी राखी

रक्षाबंधन पर स्कूलों में संसाधन बढ़ाने का मिला तोहफा

संवाददाता

धनबाद : रक्षाबंधन के मौके पर धनबाद समाहरणालय में एक अलग तस्वीर देखने को मिली। जिले के सरकारी स्कूलों की छात्राओं ने डीसी, एसएसपी समेत जिले के वरीय अधिकारियों की कलाई पर राखी बांधी। लेकिन यह सिर्फ राखी बांधने का कार्यक्रम नहीं रहा बल्कि राखी बांधने के बाद छात्राओं ने अधिकारियों से खुलकर संवाद किया और अपने स्कूल की समस्याएं सीधे उनके सामने रख दीं। कहीं जर्जर स्कूल भवन का मुद्दा उठाया, तो कहीं मनचलों से परेशान छात्राओं ने सुरक्षा की गुहार लगाई। अधिकारियों ने भी मौके पर कई समस्याओं के समाधान का भरोसा दिलाया।

रक्षाबंधन के मौके पर भाई-बहन के रिश्ते की भावनाओं के बीच छात्राओं और अधिकारियों का अनोखा संवाद हुआ। जिले के अलग-अलग सरकारी विद्यालयों से पहुंची छात्राओं ने उपायुक्त आदित्य रंजन, एसएसपी प्रभात कुमार समेत वरीय अधिकारियों की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधा और उनकी लंबी उम्र की कामना की। अधिकारियों ने भी छात्राओं को आशीर्वाद और उपहार देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। लेकिन कार्यक्रम की सबसे खास बात रही खुला संवाद। छात्राओं ने बिना झिझक अपने स्कूल और आसपास की समस्याएं अधिकारियों के सामने रखीं। कहीं स्कूल तक पहुंचने के लिए सड़क नहीं है, तो कहीं स्मार्ट बोर्ड और बेंच-डेस्क की जरूरत है। किसी स्कूल में जर्जर भवन की समस्या है, तो कहीं पेयजल, बाउंड्री वॉल और वॉशरूम की मांग सामने आई।

छात्राओं ने सुविधाओं की भी मांग रखी

उत्क्रमित मिडिल स्कूल भालगोड़ा की छात्राओं ने जर्जर स्कूल भवन की समस्या बताई। वहीं कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय गोविंदपुर में डीप बोरिंग की जरूरत बताई गई। कई स्कूलों की छात्राओं ने स्मार्ट बोर्ड, कंप्यूटर शिक्षक, खेल मैदान, सोलर लाइट और एप्रोच रोड जैसी सुविधाओं की मांग रखी।

अब मनचलों की खैर नहीं

सबसे गंभीर मामला मिडिल स्कूल सरायढेला की छात्राओं ने उठाया। छात्राओं ने बताया कि स्कूल के आसपास मनचलों और अवांछित तत्वों का जमावड़ा रहता है। छुट्टी के बाद छात्राओं के साथ अशोभनीय हरकतें किए जाने और स्कूल परिसर में चोरी जैसी घटनाओं की शिकायत भी सामने आई। शिकायत सुनते ही एसएसपी ने संबंधित थाना प्रभारियों से फोन पर बात की और तत्काल संज्ञान लेने का निर्देश दिया। स्कूलों के आसपास पुलिस पेट्रोलिंग बढ़ाने और छात्राओं को परेशान करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का भरोसा दिया गया।

वहीं पीएम श्री राजगंज की छात्राओं ने स्कूल के दोनों हिस्सों के बीच सड़क होने से दुर्घटना की आशंका जताई। इस पर उपायुक्त ने स्कूल के पास रंबल स्ट्रिप लगाने के लिए पथ निर्माण विभाग को आवश्यक पहल का भरोसा दिया। कंप्यूटर शिक्षक की कमी का समाधान निकालते हुए उपायुक्त ने कहा कि स्कूल के शिक्षकों को 30-30 के बैच में कंप्यूटर का प्रशिक्षण दिया जाएगा, ताकि छात्राओं को इसका लाभ मिल सके।

इस बार राखी सिर्फ कलाई पर नहीं बंधी, बल्कि छात्राओं और प्रशासन के बीच भरोसे का एक रिश्ता भी मजबूत हुआ। अब देखना होगा कि संवाद के दौरान सामने आई समस्याओं पर प्रशासन की पहल कितनी जल्दी जमीन पर दिखाई देती है।